



शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
MINISTRY OF EDUCATION
Department of School Education & Literacy



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

निर्देशावली विद्यालय प्रबंधन समिति (SMCs)



स्कुल शिक्षा आरु साक्षरता विभाग,
शिक्षा मन्त्रालय, भारत चर्का
(मे 2026)

মে' 2026
PD 0.5H BS

© ৰাষ্ট্ৰীয় শৈক্ষিক গৱেষণা আৰু প্ৰশিক্ষণ পৰিষদ, 2026

ৰাষ্ট্ৰীয় শৈক্ষিক গৱেষণা আৰু প্ৰশিক্ষণ পৰিষদৰ সচিবৰ দ্বাৰা প্ৰকাশন বিভাগৰ পৰা প্ৰকাশিত, শ্ৰী অৰবিন্দ
মাৰ্গ, নতুন দিল্লী - 110 016 আৰু নাৰায়ণ প্ৰিণ্টাৰ্ছ এণ্ড বাইণ্ডাৰ্ছ, D-177-178, ছেক্টৰ-63, নয়ডা (ইউ.
পি.) 201 301-ত মুদ্ৰিত



शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
MINISTRY OF EDUCATION
Department of School Education & Literacy



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

निर्देशावली विद्यालय परिचालना समिति समूह (SMCs)

स्कूल शिक्षा आरू साक्षरता विभाग,
शिक्षा मंत्रालय, भारत चर्करा
(मे 2026)



बाबत

शिक्षा मन्त्रालय विद्यालय शिक्षा आरू सारूबता विभागर दूबार विद्यालय परिचालना समिति (एछ एम चि) निर्देशना, 2026 जाबि कबा हैछे बुलि जानि मई आनन्दित हैछौं। एई निर्देशनासमूहे अरूबुद्धिमुलक शिक्षाक उरूसाहित कबा, अरूशग्रहणमुलक विद्यालय उन्नयन परिकरूनाक शक्तिशाली कबा, आरू विद्यालय, अतिभारक, स्थानीय कर्तृपक्ष, अना विभाग आरू सप्रदायर माजत सहयोगिता आरू समयय शक्तिशाली कबाट एछ एम चि-ब भूमिका आरू दायित्वसमूह स्पष्टितारे निर्धारण करे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ई पि) - 2020-ए शिक्षाक चरकार, विद्यालय, अतिभारक आरू सप्रदायर उरूमैतीया दायित्व हिचापे स्वीकृति दिये। एन ई पि-2020-ए एई कथाटो उरूलेख करिछे ये शिक्षारूथीसकलर शिक्षण, कल्याण आरू विद्यालयर दायबद्धता उन्नत कबार बावे—विशेषकै वरूधित आरू कम प्रतिनिधित्व थका श्रेणीर शिषुसकलर फेरूत—अतिभारक आरू सप्रदायर अरूथपूरूण अरूशग्रहण अतारूत आरूशरूक। मोर दृढ विश्वास ये शक्तिशाली आरू कारूकरीडारे काम कबा विद्यालय परिचालना समितिसमूहे (एछ एम चि) एक अरूबुद्धिमुलक, सहयोगितामुलक आरू फलप्रसू शिक्षण परिरेण गटि तोलात एक ऒरूतपूरूण भूमिका पालन करिब।

माननीय प्रधानमन्त्रीर विकशित भारत @2047-र दृष्टिभरूगीत शिक्षाक रारूठ निर्माणर केन्द्रविन्दु आरू जन अरूशग्रहणक शासनर आधारशिला हिचापे स्थापन कबा हैछे। एखन शक्तिशाली, अरूबुद्धिमुलक आरू आरूनिर्भर भारतर निर्माण तेतियाहे सभरू, येतिया प्रतिटो शिषुरे ऒणगत शिक्षा लात करे आरू सप्रदाये निजर विद्यालयसमूहर भरूयत गट दियत सक्रियतारे अरूशग्रहण करे।

एई प्रेरूपाटत, विद्यालय परिचालना समितिसमूहे (एछ एम चि) तणमुल परूयात विद्यालय शिक्षाक शक्तिशाली कबाट एक अतारूत ऒरूतपूरूण भूमिका पालन करे। अतिभारक, शिक्षक आरू सप्रदायर सदस्यसकलक एकत्रित करि, एछ एम चि-ये विद्यालयसमूहक शिक्षणर फलाफल उन्नत कबा, दायबद्धता निश्चित कबा आरू समताक प्रसार कबाट सहाय करे। विद्यालयर परिकरूना आरू सिद्धान्त-ग्रहणत तेठूलोकक अरूशग्रहणे विद्यालयसमूहक स्थानीय प्रयोजनीयता अनुसरि उन्नत सहाबि दिवलै सक्षम करे आरू सप्रदायर माजत स्तूाधिकार आरू विश्वासर भारना शक्तिशाली करे।

विकशित भारत @2047-र यात्रा सक्षम, आरूनिर्भर आरू दायित्वशील नागरिक गटि तोला ओपरत निर्भर करे। सक्रिय आरू शक्तिशाली एछ एम चि-र दूबार समरूधित शक्तिशाली विद्यालयसमूह एई राष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्तिर बावे आधारस्वरूप। तणमुल परूयात विद्यालयर शासन ब्यरूहा शक्तिशाली करि आरू आरू शिषुसकलर भरूयत आरू भारतर भरूयतर बावे एक शक्तिशाली तेटि स्थापन करिछौं।

मोर सप्ररूण विश्वास आछे ये एई निर्देशनासमूहे समग्र देशते फलप्रसू विद्यालय शासनर बावे एक शक्तिशाली आरू भरूयतमूथी काठामो प्रदान करिब आरू प्रतिटो शिषुरे बावे ऒणगत, अरूबुद्धिमुलक आरू सामग्रिक शिक्षा निश्चित कबाट ऒरूतपूरूण अरूदान आगवटाव।

धर्मन्द्र प्रधान

सकलोबर बावे शिक्षा, भाल शिक्षा

जयन्त चौधरी
JAYANT CHAUDHARY



कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार

Minister of State (Independent Charge) for
Skill Development and Entrepreneurship
and Minister of State for Education
Government of India



बाबता

शिक्षा राष्ट्रीय विकास केन्द्रबिन्दु, आरु सामुहिक अंशग्रहण इयाब आटाईतकै शक्तिशाली प्रेबक शक्ति। एखन अस्तुबुक्तिमूलक आरु तबिष्यतमुखी राष्ट्र निब्रमाणब बाबे आमार विद्यालयसमूह सम्प्रदायब सैते संयुक्त होराटो जरुबी। सम्प्रदायब सक्रिय सहयोगे विद्यालयसमूहक शक्तिशाली आरु जीरस्त करि ताले।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020-ए विद्यालयसमूहक एने एक जीरस्त अनुष्ठान हिचापे गण्य करे य'त अतिवारक, शिक्षक आरु स्थानीय अंशीदारसकले मिलि सामग्रिक विकास, उन्नत शिक्षणब फलाफल आरु प्रतिटो शिशुब कल्याण निश्चित करे। एई दृष्टिभंगीर केन्द्रत आछे विद्यालय परिचालना समिति (SMC), यि सामुहिक अंशग्रहण, उमैहतीया दायित्व आरु सामुहिक काब्यब बाबे तृणमूल पर्यायब मंष गठन करे।

विद्यालय परिचालना समितिब निर्देशना, 2026-ए एई गांथनिटोक आरु अधिक शक्तिशाली करे। एई निर्देशनासमूह SMC-समूहक अधिक प्रभारशाली आरु शक्तिशाली करार बाबे प्रस्तुत करार हैछे। इयाब अधीनत भूमिका आरु दायित्वसमूह स्पष्ट करार हैछे, अस्तुबुक्तिमूलक आरु लिंग-समतापूरण प्रतिनिधित्व निश्चित करार हैछे, आरु क्षमता निर्माणब ँपबत विशेष ँरुतु दिया हैछे याते SMC-समूहे विद्यालय प्रशासन आरु छात्र-छात्रीर फलाफलत अरुथपूरण बरुंणि आगवटाब पाबे।

येतिया सम्प्रदाये निजर विद्यालयब स्वताधिकार ग्रहण करे, तेतिया शिशुसकल आटाईतकै बेछि लाभावित हय। शक्तिशाली SMC-समूहे अंशीदारित्व आरु विश्वासब एक संस्कृति गटि तुलिब। प्रतिटो शिशुब सफलताब प्रति एई उमैहतीया प्रतिश्रुतिये NEP 2020-ब लक्ष्यसमूहक आंुराई निब आरु सकलोबे बाबे ँणगत, न्यायसंगत आरु सामग्रिक शिक्षाब पथ प्रशस्त करिब।

जयन्त चौधरी

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary



सत्यमेव जयते

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
Department of School Education & Literacy
Ministry of Education
Government of India



बाबता

शिक्षा, विशेषकै विद्यालय शिक्षा, एक सामाजिक आरु सामूहिक धारणा आरु बांष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपि) 2020-ए शिक्षाक एक उमैहतीया सामाजिक दायित्व हिचापे गण्य करे। एहि नीतिसे विद्यालय शिक्षात विकेन्द्रीकृत शासन, सम्प्रदायब सक्रिय अंशग्रहण आरु अभिभारकब अंशग्रहणब ओपबत विशेषे गुरुतु आरोप करे। एनईपि 2020-ए एहिठो स्वीकार करे ये विद्यालयसमूहे तेतिगाहे निजब सम्पूर्ण सामर्थ्यबे काम करिब पाबे, येतिगा तेणुलोक निजब सम्प्रदायब सैते घनिष्ठभारे जड़ित हय आरु स्थानीय हिताधिकारीसकले प्रतिठो शिशुब मानसिक वृद्धि आरु बिकाशत सामूहिकभारे अरदान आगवटाय।

एहि परिप्रेक्षितत, विद्यालय परिचालना समितिबसमूहे स्थानीय विद्यालय शासनक शक्तिशाली करबत अत्यन्त गुरुतुपूर्ण भूमिका पालन करे। विद्यालय पर्यायत एक सामाजिक अनुष्ठान हिचापे, एह एम चि-ये अभिभारक, शिक्षक आरु सम्प्रदायब सदस्यसकलक एकत्रित करि विद्यालयसमूहक समर्थन करबाब वारे एक गुरुतुपूर्ण मध्य प्रदान करे। तेणुलोकब सक्रिय अंशग्रहण कार्याकरी विद्यालय परिकल्पना, सम्पदब उन्नत ब्यरहाब, शिक्षणब फलाफलत उन्नति आरु शिक्षार्थीसकलब सामग्रिक कल्याण निश्चित करबाब वारे अपरिहार्य। शक्तिशाली आरु कार्याकरी एह एम चि-ये विद्यालयसमूहक अन्तर्भुक्तिमूलक, दायबद्ध आरु स्थानीय प्रयोजनीयताब प्रति संवेदनशील होराठो निश्चित करे। एह एम चि-ये एक सहयोगितामूलक शिक्षण परिबेश गटि तोला, समता निश्चित करबा आरु अभिभारक तथा सम्प्रदायब—विशेषकै बंशित श्रेणीब मातक विद्यालयब सिद्धान्त ग्रहण प्रक्रियात अर्थपूर्णभारे प्रतिफलित करबाब वारे गुरुतुपूर्ण भूमिका पालन करे। इयाब लगते एहिबारे विद्यालय परिचालनात स्पष्टता आरु जवाबदिहिता निश्चित करे।

विद्यालय परिचालना समितिब निबुदेशना, 2026 एहि दृष्टिभङ्गीक ब्यरहाबिक रूप दिया आरु दक्ष विद्यालय परिचालनाब वारे विकशित करबा हेहे। एहि निबुदेशनासमूहे दायित्वसमूह स्पष्ट करि तृणमूल पर्यायत शासनक शक्तिशाली करबा, अंशग्रहणमूलक विद्यालय उन्नयन परिकल्पनाक उंसहित करबा आरु विद्यालय, परिबाल, स्थानीय कर्तुपक्ष तथा व्यापक सम्प्रदायब माजत सहयोगिता वृद्धिब वारे पथ प्रदर्शन करे। एहि निबुदेशनासमूह सकलो हिताधिकारीब परबामर्श, समग्र शिक्षा, पूर्वब सब शिक्षा अभियान (एहएहएईउ) आरु बांष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएहएईउ)-ब निबुदेशना आरु नियमारलीक ध्यानत बाधि प्रस्तुत करबा हेहे। एहिखन कार्याकरी होराब पूर्व सकलो निबुदेशनाक अतिक्रमित बलि गण्य करबा ह'ब।

यिमानेहि भारत विकशित भारत @2047-ब दिशे आगवाटिहे, यिमानेहि शक्तिशाली सामूहिक अनुष्ठानसमूहब भूमिका अधिक गुरुतुपूर्ण हे परिहे। सक्रिय आरु शक्तिशाली एह एम चि-ब द्वारा समर्थित गुणगत विद्यालय शिक्षाई अरगत, दक्ष आरु दायबद्ध नागरिक गटि तोलात गुरुतुपूर्ण अरदान आगवटाब।

मोब सम्पूर्ण विश्वास ये एहि निबुदेशनासमूहे राज्य आरु विद्यालयसमूहक कार्याकरी आरु अंशग्रहणमूलक एह एम चि गठनत पथ प्रदर्शन करिब आरु शिक्षार्थीसकलब शिक्षणब फलाफल, कल्याण आरु विकशित भारतब दीर्घम्यादी दृष्टिभङ्गीत अर्थपूर्ण अरदान आगवटाब।

संजय कुमार

कोठा नं - 21102, 1म महला, सचिवब कार्यालय ड'सेल, गेट नम्बर 04, काबुतब्य भवन-2, नतून दिल्ली-110001

ईमेल: secy.sel@nic.in

প্ৰাক্কথন

বিদ্যালয় শিক্ষা এখন সমতাপূৰ্ণ, অন্তৰ্ভুক্তিমূলক আৰু প্ৰগতিশীল সমাজ নিৰ্মাণৰ আধাৰশিলা। বিদ্যালয়সমূহৰ গুণগত মান কেৱল নীতিগত ব্যৱস্থা আৰু উপলব্ধ সম্পদৰ ওপৰতেই নিৰ্ভৰ নকৰে, বৰঞ্চ সম্প্ৰদায়ৰ সক্ৰিয়, নিৰন্তৰ আৰু অৰ্থপূৰ্ণ অংশগ্ৰহণৰ সৈতেও ই গভীৰভাৱে জড়িত। এই পৰিপ্ৰেক্ষিতত, শৈক্ষিক সংস্কাৰৰ ক্ষেত্ৰত বিকেন্দ্ৰীকৃত শাসন ব্যৱস্থা, সাম্প্ৰদায়িক অংশগ্ৰহণ তথা শিশুৰ শিক্ষণ আৰু সামগ্ৰিক কল্যাণৰ বাবে উমৈহতীয়া দায়বদ্ধতাক নিৰন্তৰ অগ্ৰাধিকাৰ দিয়া হৈছে। এই দৃষ্টিভংগীক তৃণমূল পৰ্যায়ত বাস্তৱায়িত কৰাৰ ক্ষেত্ৰত বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিসমূহে (এছ এম চি) এক মুখ্য আৰু শক্তিশালী প্ৰতিষ্ঠানিক ব্যৱস্থা হিচাপে গুৰুত্বপূৰ্ণ ভূমিকা পালন কৰে।

ৰাষ্ট্ৰীয় শিক্ষা নীতি (এন ই পি) 2020-এ বিদ্যালয় শিক্ষাত বিকেন্দ্ৰীকৃত শাসন তথা অভিভাৱক, স্থানীয় সম্প্ৰদায়, প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী আৰু অন্যান্য অংশীদাৰসকলৰ সক্ৰিয় অংশগ্ৰহণৰ ওপৰত বিশেষ গুৰুত্ব আৰোপ কৰে। এই নীতিয়ে বিদ্যালয়সমূহক শিক্ষণৰ এক সজীৱ কেন্দ্ৰ হিচাপে স্বীকৃতি দিয়ে, যিবোৰ নিজৰ সম্প্ৰদায়ৰ সৈতে ঘনিষ্ঠভাৱে জড়িত। এন ই পি 2020-এ শিক্ষণৰ ফলাফল উন্নত কৰা, অন্তৰ্ভুক্তিকৰণক উৎসাহিত কৰা তথা বিদ্যালয়সমূহৰ সামগ্ৰিক পৰিচালনা শক্তিশালী কৰাৰ বাবে উমৈহতীয়া দায়বদ্ধতা, সাম্প্ৰদায়িক মালিকীস্বত্ব আৰু অংশগ্ৰহণমূলক সিদ্ধান্ত-গ্ৰহণৰ গুৰুত্বক ৰেখাপাত কৰে। যদিও সমগ্ৰ শিক্ষা (সমগ্ৰ শিক্ষা অভিযান)ৰ অধীনত তথা শিশুৰ বিনামূলীয়া আৰু বাধ্যতামূলক শিক্ষাৰ অধিকাৰ (আৰ টি ই) অধিনিয়ম, 2009-ত বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতি (এছ এম চি) সম্পৰ্কীয় ব্যৱস্থা আছে, তথাপি বৰ্তমানৰ শৈক্ষিক পৰিপ্ৰেক্ষিতত এছ এম চি-ৰ গাঁথনি, কাৰ্যপ্ৰণালী তথা ইয়াৰ সম্পূৰ্ণ সম্ভাৱনাক স্পষ্টভাৱে সংজ্ঞায়িত কৰাৰ বাবে এক ব্যাপক, একত্ৰিত আৰু আধুনিক ৰাষ্ট্ৰীয় কাঠামোৰ প্ৰয়োজনীয়তা অনুভৱ কৰা হৈছিল। এই পৰিপ্ৰেক্ষিততে, বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ বাবে ৰাষ্ট্ৰীয় নিৰ্দেশনাৱলী বিকশিত কৰা হৈছে, যি বিদ্যালয় শিক্ষাৰ সকলো স্তৰতে প্ৰযোজ্য এক একত্ৰিত ৰাষ্ট্ৰীয় নিৰ্দেশনা হিচাপে এছ এম চি-ৰ ওপৰত কেন্দ্ৰীভূত।

এই নিৰ্দেশনাৱলীয়ে এই বিষয়ত পূৰ্বে জাৰি কৰা সকলো নিৰ্দেশনাৰ স্থান লৈ বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিসমূহক (এছ এম চি) অংশগ্ৰহণমূলক শাসনৰ এক শক্তিশালী আৰু সক্ৰিয় মঞ্চ হিচাপে শক্তিশালী কৰাৰ লক্ষ্য ৰাখিছে। এই নিৰ্দেশনাৱলীত এছ এম চি-ৰ গাঁথনি, গঠন, কাৰ্যকাল, নিৰ্বাচন প্ৰক্ৰিয়া, ভূমিকা আৰু দায়বদ্ধতা, এছ এম চি সদস্যসকলৰ দক্ষতা নিৰ্মাণ তথা কৰ্পোৰেট সামাজিক দায়বদ্ধতা (চি এছ আৰ)ৰ সহযোগিতা লাভ কৰাৰ সৈতে জড়িত ব্যৱস্থাসমূহক স্পষ্টভাৱে ৰেখাপাত কৰা হৈছে। এই নিৰ্দেশনাৱলীত শৈক্ষিক পৰ্যবেক্ষণ, বিদ্যালয় উন্নয়ন পৰিকল্পনা (স্কুল ডেভেলপমেণ্ট প্লেন-এছ ডি পি)ৰ জৰিয়তে বিদ্যালয়ৰ পৰিকল্পনা, বিত্তীয় ব্যৱস্থাপনা, সামাজিক হিচাপ পৰীক্ষা, শিশুৰ সুৰক্ষা আৰু কল্যাণ, অন্তৰ্ভুক্তিমূলক আৰু সমতাপূৰ্ণ শিক্ষণক উৎসাহিত কৰা, তথা সম্পূৰ্ণ-চৰকাৰ (Whole-of-Government) দৃষ্টিভংগীৰ অধীনত বিভিন্ন লাইন বিভাগৰ সৈতে অভিসৰণ আৰু সমন্বয় সম্পৰ্কীয় বিতং মা ৰ্গদৰ্শনপ্ৰদান কৰা হৈছে। এই নিৰ্দেশনাৱলীত বিশেষকৈ বিদ্যালয়ৰ বাহিৰত থকা শিশু (আউট-অফ-স্কুল চিলড্ৰেন), ড্ৰপআউট শিশুৰ নামভৰ্তি, বিদ্যালয়ত ধৰি ৰখা আৰু মূলসুঁতিলৈ পুনৰ একত্ৰীকৰণ নিশ্চিত কৰা, সামাজিক-অৰ্থনৈতিকভাৱে বঞ্চিত শ্ৰেণীৰ শিশুক সমৰ্থন প্ৰদান কৰা, তথা মৌলিক সাক্ষৰতা আৰু সাংখ্যিক জ্ঞান (ফাউণ্ডেচনেল লিটাৰেচি এণ্ড নিউমেৰেচি) শক্তিশালী কৰাৰ ক্ষেত্ৰত এছ এম চি-ৰ ভূমিকাৰ ওপৰত বিশেষ গুৰুত্ব দিয়া হৈছে। উপৰোক্ত সকলো প্ৰচেষ্টাই সামূহিকভাৱে শিক্ষাৰ্থীসকলৰ মাজত আকাঙ্ক্ষিত শিক্ষণৰ ফলাফল প্ৰাপ্ত কৰাত সহায়ক হ'ব, যিয়ে বিকশিত ভাৰত @2047-ৰ দৃষ্টিভংগীক বাস্তৱায়িত কৰাত এক গুৰুত্বপূৰ্ণ ভূমিকা পালন কৰিব।

এই নিৰ্দেশনাৱলী ৰাজ্য আৰু কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহৰ বাবে এক পথপ্ৰদৰ্শক সন্দৰ্ভ কাঠামো হিচাপে উদ্দিষ্ট, যাতে তেওঁলোকে স্থানীয় পৰিস্থিতি, প্ৰয়োজনীয়তা আৰু অগ্ৰাধিকাৰ অনুসৰি নিজৰ নিয়ম, প্ৰক্ৰিয়া আৰু ব্যৱস্থাসমূহৰ মাজত সমন্বয় আৰু সামঞ্জস্য স্থাপন কৰিব পাৰে। অৱশেষত, এই নিৰ্দেশনাৱলীৰ উদ্দেশ্য হৈছে সম্প্ৰদায়সমূহক বিদ্যালয়ৰ প্ৰতি সামূহিক দায়বদ্ধতা গ্ৰহণ কৰিবলৈ শক্তিশালী কৰা, যাৰ দ্বাৰা এইটো নিশ্চিত কৰিব পৰা যায় যে প্ৰতিটো শিশুৱে এক সুৰক্ষিত, অন্তৰ্ভুক্তিমূলক আৰু লালন-পালনকাৰী পৰিৱেশত গুণগত শিক্ষা লাভ কৰে, নিৰন্তৰ প্ৰগতি কৰে আৰু নিজৰ বিদ্যালয় শিক্ষা সফলভাৱে সম্পূৰ্ণ কৰে।



(অৰ্চনা শৰ্মা অৱস্থা)
অতিৰিক্ত সচিব, ডোচেল
শিক্ষা মন্ত্ৰালয়

সূচীপত্ৰৰ তালিকা

1. পাতনি	1
2. বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতি (SMC)	1
2.1 বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ সদস্য নিৰ্বাচনৰ নীতি-নিৰ্দেশনা	2
2.2 বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ গঠন	3
2.3 সদস্য-সচিবৰ ভূমিকা আৰু দায়িত্ব	3
2.4 কাৰ্যকাল	4
2.5 বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ অভিভাৱক সদস্যসকলৰ নিৰ্বাচন প্ৰক্ৰিয়া	4
2.6 বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ উপ-সমিতিসমূহ	5
3. বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ ভূমিকা আৰু দায়িত্ব বা কাৰ্য্যৱলী	6
4. বিদ্যালয় উন্নয়ন পৰিকল্পনা (SDP)	12
5. সভা আৰু কাৰ্য্যপ্ৰণালী	14
6. দক্ষতা বৃদ্ধি আৰু প্ৰশিক্ষণ	14
7. বিত্তীয় ব্যৱস্থাপনা আৰু সামাজিক হিচাপ পৰীক্ষা	15
8. মন্ত্ৰালয়/বিভাগসমূহৰ সৈতে অভিসৰণৰ জৰিয়তে সম্পদৰ ব্যৱহাৰ	16
9. এছ এম চি-সমূহৰ নিৰীক্ষণ আৰু সহায়	19
10. সামৰণি	19
সংলগ্নীসমূহ	21

1. পাতনি বা পৰিচয়

1.1 সম্প্ৰদায় একত্ৰীকৰণ আৰু অংশগ্ৰহণ হৈছে সম্প্ৰদায়সমূহক তেওঁলোকৰ অগ্ৰাধিকাৰ, সম্পদ, প্ৰয়োজনীয়তা আৰু সমাধানসমূহ চিনাক্ত কৰিবলৈ জড়িত কৰাৰ এক প্ৰক্ৰিয়া যিয়ে প্ৰতিনিধিত্বমূলক অংশগ্ৰহণ, সুশাসন, জবাবদিহিতা আৰু শান্তিপূৰ্ণ পৰিৱৰ্তনক প্ৰসাৰিত কৰে। শিক্ষাৰ ক্ষেত্ৰত, সম্প্ৰদায় একত্ৰীকৰণ আৰু সম্প্ৰদায়ৰ সদস্যসকলৰ গভীৰ জড়িতকৰণ অত্যন্ত গুৰুত্বপূৰ্ণ। এই দৃষ্টিভঙ্গীয়ে এক তৃণমূল পৰ্যায়ৰ প্ৰক্ৰিয়াক উৎসাহিত কৰে, যাৰ ফলত সম্প্ৰদায়ৰ দ্বাৰা চৰকাৰী আঁচনিসমূহৰ কাৰ্যকৰী পৰিকল্পনা, ৰূপায়ণ, নিৰীক্ষণ, মূল্যায়ন আৰু মালিকীস্বত্ব সাব্যস্ত কৰা সম্ভৱ হয়। সক্ৰিয় সামাজিক অংশগ্ৰহণে স্বচ্ছতা, জবাবদিহিতা আৰু বিদ্যালয়সমূহৰ উন্নত পৰিচালনাৰ বাবে সামূহিক জ্ঞানৰ ব্যৱহাৰ নিশ্চিত কৰে। কাৰ্যকৰী বিকেন্দ্ৰীকৰণৰ জৰিয়তে, ই বিদ্যালয়-ভিত্তিক পদক্ষেপসমূহৰ ওপৰত সম্প্ৰদায়ৰ মালিকীস্বত্ব নিশ্চিত কৰে, শাসন সজ্জাক শক্তিশালী কৰে আৰু বহনক্ষম শৈক্ষিক উন্নয়নত সহায় কৰে।

1.2 **ৰাষ্ট্ৰীয় শিক্ষানীতি (এন ই পি), 2020-এ** শিক্ষাদান, সাক্ষৰতা অভিযান, পৰামৰ্শদান, শিক্ষণ সহায় আৰু নিৰ্দেশনা আদি বিভিন্ন কাৰ্যসূচীত স্বেচ্ছাসেৱী হিচাপে উৎসাহিত কৰি বিদ্যালয়সমূহত শিকন প্ৰক্ৰিয়া উন্নত কৰাৰ বাবে স্থানীয় সম্প্ৰদায়, প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী আৰু জ্যেষ্ঠ নাগৰিকসকলৰ সক্ৰিয় অংশগ্ৰহণৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰে (অনুচ্ছেদ 3.7)। এন ই পি 2020-ৰ নিৰ্দেশনা অনুসৰি বিদ্যালয়সমূহ এনে প্ৰাণৱন্ত কেন্দ্ৰ হিচাপে গঢ়ি উঠিব লাগে য'ত শিকন আৰু সমাজ একত্ৰিত হয়। যেতিয়া অভিভাৱক, শিক্ষক আৰু স্থানীয় লোকসকলে বিদ্যালয়ৰ কাম-কাজত অংশগ্ৰহণ কৰে, তেতিয়া তেওঁলোকে যত্ন, অন্তৰ্ভুক্তি আৰু গৌৰৱৰ পৰিৱেশ সৃষ্টি কৰাত সহায় কৰে। প্ৰতিখন বিদ্যালয় কেৱল ল'ৰা-ছোৱালীক শিক্ষা দিয়া ঠাই নহয়, বৰঞ্চ সমগ্ৰ সমাজখনক একত্ৰিত কৰা এক কেন্দ্ৰ হৈ পৰিব পাৰে।

1.3 **সমগ্ৰ শিক্ষা 2.0** গাঁথনিৰ (12 অক্টোবৰ, 2022 তাৰিখে জাৰী কৰা) ত্ৰয়োদশ অধ্যায়: সম্প্ৰদায় একত্ৰীকৰণত' বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতি (এছ এম চি)-ৰ গঠন, কাৰ্যকলাপ আদিৰ বিষয়ে বিতং বিৱৰণ দিয়া হৈছে। এছ এম চি হ'ল তৃণমূল পৰ্যায়ৰ সমিতি যিয়ে সমগ্ৰ শিক্ষা আঁচনি আৰু বিদ্যালয় শিক্ষা বিভাগৰ অন্যান্য পদক্ষেপসমূহ ৰূপায়ণত সক্ৰিয় ভূমিকা পালন কৰে।

1.4 **শিশুৰ বিনামূলীয়া আৰু বাধ্যতামূলক শিক্ষাৰ অধিকাৰ (আৰ টি ই) আইন, 2009-ৰ** চতুৰ্থ অধ্যায়: 'বিদ্যালয় আৰু শিক্ষকৰ দায়িত্ব'ৰ ধাৰা (21)-ত বিদ্যালয়সমূহত এছ এম চি-ৰ গঠন আৰু কাৰ্যাৱলীৰ বিষয়ে বিতং বিৱৰণ দিয়া হৈছে।

2. বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতি (এছ এম চি)

বিদ্যালয় শিক্ষাৰ ক্ষেত্ৰত সম্প্ৰদায়ৰ অংশগ্ৰহণ সুদৃঢ় কৰিবলৈ, এন ই পি 2020, সমগ্ৰ শিক্ষা অভিযান আৰু শিক্ষাৰ অধিকাৰ আইন, 2009-এ বিকেন্দ্ৰীকৃত শাসনৰ এক গুৰুত্বপূৰ্ণ উপাদান হিচাপে বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতি (এছ এম চি) গঠনৰ ওপৰত বিশেষ গুৰুত্ব আৰোপ কৰিছে। সামাজিক সজাগতাৰ এক আধাৰশিলা হিচাপে, এছ এম চিয়ে বিকেন্দ্ৰীকৃত বিদ্যালয় শাসন ব্যৱস্থাক শক্তিশালী কৰে আৰু বিদ্যালয় শিক্ষাৰ বিকাশ তথা উন্নতিৰ ক্ষেত্ৰত সক্ৰিয়ভাৱে অংশগ্ৰহণ কৰিবলৈ সম্প্ৰদায়সমূহক ক্ষমতা প্ৰদান কৰে। **এন ই পি 2020, সমগ্ৰ শিক্ষা অভিযান, শিক্ষাৰ অধিকাৰ আইন, 2009 আৰু সৰ্বশিক্ষা অভিযান (এছ এছ এ) তথা ৰাষ্ট্ৰীয় মাধ্যমিক শিক্ষা অভিযান (আৰ এম এছ এ) আদিত শিক্ষা মন্ত্ৰালয়ৰ (পূৰ্বৰ মানৱ সম্পদ উন্নয়ন মন্ত্ৰালয় (এম এইচ আৰ ডি)) পূৰ্বৱৰ্তী নীতি-নিৰ্দেশনাসমূহৰ ব্যৱস্থাসমূহ লক্ষ্য কৰি এছ এম চি সন্দৰ্ভত নিম্নলিখিত নীতি-নিৰ্দেশনাসমূহ জাৰী কৰা হৈছে। এই নীতি-নিৰ্দেশনাসমূহে**

পূৰ্বৰ সকলো নিৰ্দেশনা আৰু নিৰ্দেশনাক অতিক্ৰম কৰিব।

এই নীতি-নিৰ্দেশনাসমূহ ৰাজ্য/কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহৰ বাবে বিদ্যালয় পৰ্যায়ৰ শাসন ব্যৱস্থা শক্তিশালী কৰাৰ লগতে অন্তৰ্ভুক্তিমূলক, অংশগ্ৰহণমূলক আৰু জবাবদিহি শিক্ষাৰ ৰাষ্ট্ৰীয় দৃষ্টিভঙ্গীৰ সৈতে স্থানীয় নিয়ম আৰু পদ্ধতিসমূহৰ সমন্বয় স্থাপন কৰাৰ বাবে এক প্ৰসংগ গাঁথনি হিচাপে সহায়ক হ'ব।

- ◆ প্রতিখন বিদ্যালয়ে এখন এছ এম চি (SMC) গঠন কৰিব লাগে, **শিক্ষাবৰ্ষ আৰম্ভ হোৱাৰ** এমাহৰ ভিতৰত।
- ◆ **ৰাজ্য আৰু কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহক স্কুল মেনেজমেণ্ট ডেভেলপমেণ্ট কমিটি (SMDC) ৰ পৰিৱৰ্ত্তে মাধ্যমিক বিদ্যালয়কে ধৰি (12 শ্ৰেণীলৈকে) প্রতিখন বিদ্যালয়তে এছ এম চি গঠন কৰিবলৈ পৰামৰ্শ দিয়া হৈছে।**
- ◆ ইয়াত বিষয়া, ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ পিতৃ-মাতৃ/অভিভাৱক, স্থানীয় কৰ্ত্তৃপক্ষৰ প্ৰতিনিধি, শিক্ষাবিদ, বিষয় বিশেষজ্ঞ, বিদ্যালয়ৰ প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী আৰু সুবিধাবঞ্চিত গোটৰ প্ৰতিনিধিসকল অন্তৰ্ভুক্ত হ'ব।
- ◆ কমিটিৰ সদস্যৰ সংখ্যা শিশুৰ নামভৰ্ত্তিৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি নিৰ্ধাৰণ কৰিব পাৰিব:

নামভৰ্ত্তিৰ পৰিসৰ	সদস্যৰ আনুমানিক সংখ্যা
100 জন ছাত্ৰ-ছাত্ৰীলৈকে	12 – 15 জন সদস্য
100 – 500 জন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী	15 – 20 জন সদস্য
500 জন ছাত্ৰ-ছাত্ৰীতকৈ অধিক	20 – 25 জন সদস্য

2.1 এছ এম চি (SMC) সদস্য নিৰ্বাচনৰ নীতি-নিৰ্দেশনা

- এছ এম চি (SMC)-ৰ মুঠ সদস্যৰ পঁচাত্তৰ শতাংশ (75%)** ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ পিতৃ-মাতৃ বা অভিভাৱকসকলৰ মাজৰ পৰা হ'ব লাগিব।
- অৱশিষ্ট **পঁচিছ শতাংশ (25%)** সদস্য নিম্নলিখিত ব্যক্তিসকলৰ মাজৰ পৰা হ'ব লাগিব:
 - স্থানীয় কৰ্ত্তৃপক্ষৰ নিৰ্বাচিত সদস্যসকলৰ মাজৰ পৰা এ-তৃতীয়াংশ (1/3) সদস্য, যিটো স্থানীয় কৰ্ত্তৃপক্ষই নিৰ্ধাৰণ কৰিব;
 - বিদ্যালয়খনৰ শিক্ষকসকলৰ মাজৰ পৰা এ-তৃতীয়াংশ (1/3) সদস্য, যিটো বিদ্যালয়খনৰ শিক্ষকসকলে নিৰ্ধাৰণ কৰিব;
 - অৱশিষ্ট এ-তৃতীয়াংশ (1/3) সদস্য স্থানীয় শিক্ষাবিদ, বিষয় বিশেষজ্ঞ, বিদ্যায়তনিক বিশেষজ্ঞ, জ্যেষ্ঠ ছাত্ৰ-ছাত্ৰী, বিদ্যালয়ৰ প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী আৰু বিদ্যালয়ৰ ওচৰ-চুবুৰীয়া অঞ্চলত কৰ্মৰত অংগনৱাড়ী কৰ্মী (AWW), স্বীকৃত সামাজিক স্বাস্থ্য কৰ্মী (ASHA) আৰু সহায়কাৰী নাৰ্ছ মিডৱাইফ (ANM) দৰে অগ্ৰণী সমাজকৰ্মীসকলৰ মাজৰ পৰা নিৰ্বাচন কৰা হ'ব। এই সদস্যসকলক সমিতিৰ অভিভাৱক প্ৰতিনিধিসকলে বাছনি কৰিব।

¹ “স্থানীয় কৰ্ত্তৃপক্ষ” বুলিলে পৌৰ নিগম বা পৌৰ পৰিষদ বা জিলা পৰিষদ বা নগৰ পঞ্চায়ত বা পঞ্চায়তক বুজায়, যি নামেই নামাকৰণ কৰা নহওক কিয়, আৰু ইয়াৰ অন্তৰ্ভুক্ত হ'ব বিদ্যালয়ৰ ওপৰত প্ৰশাসনিক নিয়ন্ত্ৰণ থকা তেনে অন্য কোনো কৰ্ত্তৃপক্ষ বা নিকায় অথবা কোনো চহৰ, নগৰ বা গাঁৱত স্থানীয় কৰ্ত্তৃপক্ষ হিচাপে কাম কৰিবলৈ বলবৎ থকা কোনো আইনৰ দ্বাৰা বা অধীনত ক্ষমতা প্ৰদান কৰা তেনে অন্য কৰ্ত্তৃপক্ষ বা নিকায়;

টোকা:

- ◆ এছ এম চি (SMC)-ৰ সদস্যৰ সংখ্যাৰ পঞ্চাশ শতাংশ (50%) মহিলা হ'ব লাগিব।
- ◆ সামাজিক আৰু অৰ্থনৈতিকভাৱে পিছপৰা গোট (SEDGs) অৰ্থাৎ SC/ST/OBC আদি আৰু বিশেষ চাহিদা সম্পন্ন শিশুৰ (CwSN) পিতৃ-মাতৃ বা অভিভাৱকসকলক আনুপাতিক প্ৰতিনিধিত্ব প্ৰদান কৰা হ'ব।

2.2 এছ এম চি-ৰ গঠন

প্ৰতিটো এছ এম চি নিম্নলিখিত সদস্যসকলৰ দ্বাৰা গঠিত হ'ব:

1.	পিতৃ-মাতৃ/অভিভাৱকৰ মাজৰ পৰা নিৰ্বাচিত সদস্য	সভাপতি
2.	পিতৃ-মাতৃ/অভিভাৱকৰ মাজৰ পৰা নিৰ্বাচিত সদস্য	উপ-সভাপতি
3.	বিদ্যালয়ত অধ্যয়নৰত সকলো শ্ৰেণীৰ শিশুৰ পিতৃ-মাতৃ/অভিভাৱক	সদস্য
4.	স্থানীয় কৰ্তৃপক্ষৰ নিৰ্বাচিত সদস্যসকল	সদস্য
5.	বিদ্যালয়ৰ শিক্ষকসকল	সদস্য
6.	স্থানীয় শিক্ষাবিদ/বিষয় বিশেষজ্ঞ/শৈক্ষিক ব্যক্তি/জ্যেষ্ঠ ছাত্ৰ-ছাত্ৰী/বিদ্যালয়ৰ প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী/এ ডব্লিউ ডব্লিউ/আশা/এ এন এম	সদস্য
7.	অধ্যক্ষ/প্ৰধান শিক্ষক/বিদ্যালয়ৰ ভাৰপ্ৰাপ্ত বিষয়া	সদস্য-সচিব

2.3 সদস্য-সচিবৰ ভূমিকা আৰু দায়িত্বসমূহ

সদস্য-সচিবৰ কৰ্তব্যসমূহ তলত দিয়া হ'ল:

- শিক্ষাবৰ্ষ আৰম্ভ হোৱাৰ এমাহৰ ভিতৰত এছ এম চি (SMC) গঠন নিশ্চিত কৰিবলৈ।
- বিদ্যালয়ত অধ্যয়নৰত শিশুসকলৰ পিতৃ-মাতৃ/অভিভাৱকৰ মাজত নিৰ্বাচনৰ জৰিয়তে সদস্য বাছনি কৰাৰ বাবে সময়মতে বাৰ্ষিক সাধাৰণ সভা আয়োজন কৰা। (নিৰ্বাচনৰ সময়ত যাতে 50% পিতৃ-মাতৃ/অভিভাৱক উপস্থিত থাকে সেয়া নিশ্চিত কৰিব লাগিব।)
- নৱগঠিত এছ এম চি সদস্যসকলৰ সম্পূৰ্ণ বিৱৰণ গঠন হোৱাৰ এসপ্তাহৰ ভিতৰত বিদ্যালয় ভৱনৰ গুৰুত্বপূৰ্ণ স্থানত প্ৰদৰ্শন কৰা। পিতৃ-মাতৃ/সদস্যসকলৰ বিৱৰণত নাম, পদবী, যোগাযোগৰ নম্বৰ, ইমেইল আই ডি আদি অন্তৰ্ভুক্ত থাকিব লাগে। পিতৃ-মাতৃ/অভিভাৱকৰ ক্ষেত্ৰত পিতৃ-মাতৃ/অভিভাৱকৰ নামৰ সৈতে শিশুৰ নাম আৰু তেওঁৰ শ্ৰেণীৰ বিৱৰণো উল্লেখ কৰিব লাগে।
- অতি কমেও মাহত এবাৰ এছ এম চি বৈঠক অনুষ্ঠিত কৰা।
- বৈঠকৰ সময়ত এছ এম চিৰ কোৰাম (নূন্যতম 50%) নিশ্চিত কৰা।
- এছ এম চি বৈঠকত আলোচনা কৰিবলগীয়া কাৰ্যসূচীৰ বিষয়সমূহ প্ৰস্তুত কৰা।
- এছ এম চিৰ বিৱৰণ, বৈঠকৰ জাননী সম্পৰ্কীয় তথ্য, বৈঠকত উপস্থিত থকা সদস্য, কাৰ্যসূচী আৰু বৈঠকৰ কাৰ্যবিৱৰণী আদি লিপিবদ্ধ কৰিবলৈ নিয়ম অনুসৰি এখন পঞ্জীয়ন বহী সংৰক্ষণ কৰা।
- সভাৰ কাৰ্যবিৱৰণী আৰু সিদ্ধান্তসমূহ সঠিকভাৱে লিপিবদ্ধ কৰা আৰু সমিতিৰ

সকলো সদস্য তথা জনসাধাৰণৰ বাবে উপলব্ধ কৰা।

- ix. এছ এম চি গঠনৰ এমাহৰ ভিতৰত সদস্যসকলৰ ক্ষমতা বিকাশৰ প্ৰশিক্ষণ নিশ্চিত কৰা। ইয়াৰ উপৰিও প্ৰয়োজন সাপেক্ষে সদস্যসকলৰ বাবে সময়ে সময়ে প্ৰশিক্ষণ বা কৰ্মশালাৰ আয়োজন কৰিব পাৰি।
- x. ইউনিফাইড ডিষ্ট্ৰিক্ট ইনফৰমেচন চিষ্টেম ফৰ এডুকেচন প্লাছ (UDISE+) পৰ্টেলত উপলব্ধ **বিদ্যালয়ৰ প্ৰতিবেদন পত্ৰ** বিদ্যালয়ৰ গুৰুত্বপূৰ্ণ স্থানত প্ৰদৰ্শন কৰা আৰু এছ এম চি-ৰ প্ৰথমখন সভাতে সদস্যসকলক ইয়াৰ কপি উপলব্ধ কৰা।
- xi. এছ এম চি-ৰ সভা, গঠন, অভিভাৱকৰ মাজৰ পৰা সদস্য নিৰ্বাচনৰ বাবে নিৰ্বাচন প্ৰক্ৰিয়া, মনোনীত সদস্যৰ অন্তৰ্ভুক্তি আদি বিষয়ত জিলা বা খণ্ড পৰ্যায়ৰ বিষয়াসকলে জাৰি কৰা নিৰ্দেশনাসমূহ পালন কৰাটো নিশ্চিত কৰা।
- xii. বিদ্যালয়ৰ মুৰব্বী বা জিলা শিক্ষা বিষয়া বা যিকোনো উৰ্ধ্বতম কৰ্তৃপক্ষই অৰূপণ কৰা অন্য যিকোনো দায়িত্ব পালন কৰা।

2.4 কাৰ্যকাল

এছ এম চি (SMC)-ৰ সদস্যসকলৰ কাৰ্যকাল হ'ব দুই বছৰ। নতুন সমিতি পুনৰ গঠন নকৰালৈকে এছ এম চি-য়ে দুই বছৰীয়া কাৰ্যকালৰ পাছতো কাম চলাই যাব পাৰিব। এছ এম চি-ৰ ধাৰাবাহিকতা যাতে ব্যাহত নহয়, তাৰ বাবে এছ এম চি-ৰ কাৰ্যকাল শেষ হোৱাৰ আগতেই নতুন সমিতি গঠনৰ প্ৰক্ৰিয়া আৰম্ভ কৰাটো বাঞ্ছনীয়। **সদস্য-সচিবৰ বাহিৰে এজন সদস্যক আন এটা কাৰ্যকালৰ বাবে পুনৰ মনোনীত কৰিব পাৰি, কিন্তু কোনো সদস্যই একেৰাহে দুটাতকৈ অধিক কাৰ্যকালৰ বাবে পদত অধিষ্ঠিত হৈ থাকিব নোৱাৰিব।**

- i. নিম্নলিখিত পৰিস্থিতিসমূহত এছ এম চি (SMC) সদস্যসকলৰ কাৰ্যকাল সমাপ্ত কৰা হ'ব:
 - (a) যদি অভিভাৱক সদস্যগৰাকীৰ সন্তান বিদ্যালয়ৰ পৰা আঁতৰি যায়।
 - (b) ফৌজদাৰী গোচৰ বা অন্য কোনো কাৰণত এজন সদস্যৰ আটক বা দোষী সাব্যস্ত হোৱা।
 - (c) ব্লক বা জিলাৰ পৰা সদস্যজনৰ প্ৰব্ৰজন।
 - (d) সদস্যজনৰ আকস্মিক মৃত্যু।
 - (e) যদিহে কোনো তথ্য নিদিয়াকৈ এজন সদস্য ধাৰাবাহিকভাৱে চাৰিখন বৈঠকত অনুপস্থিত থাকে।
- ii. দফাত (I) উল্লেখ কৰা যিকোনো কাৰণত সৃষ্টি হোৱা কোনো আকস্মিক খালী পদ, ৰূপায়ণকাৰী কৰ্তৃপক্ষ/ৰাজ্য চৰকাৰে নিৰ্ধাৰণ কৰা প্ৰক্ৰিয়া অনুসৰি পূৰণ কৰা হ'ব।

2.5 এছ এম চি-ৰ অভিভাৱক সদস্যসকলৰ নিৰ্বাচন প্ৰক্ৰিয়া

এছ এম চি (SMC)-ৰ অভিভাৱক সদস্যসকলৰ নিৰ্বাচন এক গণতান্ত্ৰিক, স্বচ্ছ আৰু অন্তৰ্ভুক্তিমূলক পদ্ধতিৰে অনুষ্ঠিত কৰিব লাগে যাতে বিদ্যালয় পৰিচালনাত সম্প্ৰদায়ৰ সাৰ্থক অংশগ্ৰহণ নিশ্চিত হয়। ৰাজ্য বা কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহে তেওঁলোকৰ নিজা নিয়মাবলী বা নিৰ্দেশনা অনুসৰি এছ এম চি সদস্যসকলৰ নিৰ্বাচন আৰু মনোনয়নৰ বাবে নিজাকৈ বিতং পদ্ধতি নিৰ্ধাৰণ কৰিব পাৰে। তলত উল্লেখ কৰা নিৰ্বাচন প্ৰক্ৰিয়াটো কেৱল নিৰ্দেশনামূলক:

- i. শৈক্ষিক বৰ্ষৰ আৰম্ভণিতে, বিদ্যালয়ৰ প্ৰধানে নামভৰ্তি কৰা সকলো শিশুৰ পিতৃ-মাতৃ

আৰু অভিভাৱকলৈ এক জাননী জাৰি কৰি নিৰ্বাচনী প্ৰক্ৰিয়া আৰম্ভ কৰিব, য'ত সংশ্লিষ্ট ৰাজ্য বা কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলে নিৰ্ধাৰণ কৰা নিয়ম অনুসৰি নিৰ্বাচন পৰিচালনাৰ সময়সূচী আৰু পদ্ধতি স্পষ্টকৈ উল্লেখ থাকিব।

- ii. নামভৰ্তি কৰা প্ৰতিটো শিশুৰ কেৱল এজন অভিভাৱক (যাৰ নাম ইতিমধ্যে নামভৰ্তি প্ৰপত্ৰত পঞ্জীয়ন কৰা হৈছে) নিৰ্বাচনত অংশগ্ৰহণ কৰাৰ বাবে যোগ্য হ'ব।
- iii. অভিভাৱকসকলে নিজকে বা স্কুলীয়া সম্প্ৰদায়ৰ ভিতৰৰ আন যোগ্য আৰু ইচ্ছুক অভিভাৱকসকলক মনোনীত কৰিব পাৰে। এছ ই ডি জি আৰু চি ডব্লিউ এছ এন-ৰ অভিভাৱকসকলৰ পৰ্যাপ্ত প্ৰতিনিধিত্ব নিশ্চিত কৰিব লাগে, য'ত 50% মহিলাৰ প্ৰতিনিধিত্ব আৰু বিদ্যালয়ৰ সকলো শ্ৰেণীৰ প্ৰতিনিধিত্ব অন্তৰ্ভুক্ত থাকে।
- iv. যদি প্ৰাৰ্থীৰ সংখ্যা নিৰ্ধাৰিত আসনৰ সংখ্যাতকৈ বেছি হয়, তেন্তে হাত উঠাই বা মুখেৰে দিয়া ভোটৰ জৰিয়তে নিৰ্বাচন পৰিচালনা কৰা হ'ব; অৱশ্যে কোনো বিবাদ বা অমীমাংসিত মতানৈক্যৰ ক্ষেত্ৰত নিৰপেক্ষতা নিশ্চিত কৰিবলৈ গোপন বেলটৰ জৰিয়তে ভোটদান পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰিব পাৰি।
- v. ভোটদানৰ সময়ত নামভৰ্তি কৰা শিশুৰ অভিভাৱকসকলৰ কমেও 50% কোৰাম বা নূন্যতম উপস্থিতি থাকিব লাগিব।
- vi. নিৰপেক্ষতা আৰু স্বচ্ছতা বজাই ৰাখিবলৈ নিৰ্বাচন প্ৰক্ৰিয়াটো এজন মনোনীত শিক্ষা বিষয়া বা কৰ্তৃত্বপ্ৰাপ্ত প্ৰতিনিধিৰ দ্বাৰা পৰিদৰ্শন কৰিব পাৰি।
- vii. প্ৰক্ৰিয়াটো সম্পূৰ্ণ হোৱাৰ পিছত নিৰ্বাচিত হোৱা সকলো অভিভাৱক সদস্যৰ নাম প্ৰতিষ্ঠানৰ মুৰব্বীয়ে আনুষ্ঠানিকভাৱে নথিভুক্ত কৰিব।

এছ এম চি গঠনৰ পিছত, নৱগঠিত সমিতিৰ প্ৰথমখন বৈঠক পৰৱৰ্তী কৰ্মদিনত বা সৰ্বাধিক এসপ্তাহৰ ভিতৰত অনুষ্ঠিত কৰিব পাৰি। সভাপতি আৰু উপ-সভাপতিগৰাকীক নিৰ্বাচিত কৰা হ'ব প্ৰথমখন বৈঠকত।

2.6 এছ এম চি-ৰ উপ-সমিতিসমূহ

এছএমচিৰ কাৰ্যকৰী পৰিচালনাৰ বাবে অধ্যক্ষ, উপ-অধ্যক্ষ আৰু সদস্য সচিবগৰাকীয়ে প্ৰয়োজন সাপেক্ষে সদস্যসকলৰ মাজত উপ-সমিতি গঠন কৰিব পাৰে। এছএমচিয়ে নিম্নলিখিত দুখন উপ-সমিতিৰ সহায় ল'ব পাৰে:

- (a) **বিদ্যালয় ভৱন সমিতি:** বিদ্যালয়ৰ আন্তঃগাঁথনিৰ নিৰ্মাণ, নবীকৰণ, মেৰামতি আৰু চোৱাচিতা সংক্ৰান্তীয় পৰিকল্পনা, মূল্যায়ন, পৰিচালনা, নিৰীক্ষণ, তত্ত্বাৱধান, প্ৰতিবেদন আৰু হিচাপ ৰখাৰ বাবে বিদ্যালয় ভৱন সমিতি দায়বদ্ধ হ'ব পাৰে। ই সুৰক্ষিত, শিশু-অনুকূল আৰু লিংগ-সংবেদনশীল সুবিধা, সৰ্বজনীন সুলভতা, নিৰ্ধাৰিত বিত্তীয় আৰু কাৰিকৰী মানদণ্ডৰ সৈতে সংগতি ৰখা নিশ্চিত কৰিব পাৰে, লগতে এক সুৰক্ষিত, অন্তৰ্ভুক্তিমূলক আৰু শিকাৰু-অনুকূল পৰিৱেশ সৃষ্টি কৰিবলৈ সকলো নিৰ্মাণ কাৰ্যৰ সময়মতে সম্পাদনৰ বাবে সজাগ নিৰীক্ষণ নিশ্চিত কৰিব পাৰে।
- (b) **শৈক্ষিক সমিতি:** পৰিকল্পনা, পৰিচালনা, নিৰীক্ষণ, তত্ত্বাৱধান, প্ৰতিবেদন, UDISE+ ৰ বাবে তথ্য সংগ্ৰহ আদিকে ধৰি সকলো শৈক্ষিক কাৰ্যকলাপৰ বাবে শৈক্ষিক সমিতি দায়বদ্ধ হ'ব পাৰে। ই আৰ্থ-সামাজিক, লিংগ আৰু অক্ষমতা সম্পৰ্কীয় বাধাৰ সমাধান কৰি শিক্ষাৰ গুণগত মান আৰু সমতাৰ নিৰন্তৰ উন্নতি নিশ্চিত কৰিব; শিক্ষক আৰু ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ উপস্থিতি নিৰীক্ষণ কৰিব; নিৰ্দেশনা আৰু পৰামৰ্শ প্ৰদানত সহায়

কৰিব; ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ সাফল্য অনুসৰণ কৰিব; সমৃদ্ধিশালী আৰু উন্নয়নমূলক শিক্ষণ কাৰ্যকলাপক প্ৰসাৰিত কৰিব; আৰু ছাত্ৰ-ছাত্ৰী তথা শিক্ষকসকলৰ সামগ্ৰিক শৈক্ষিক, সামাজিক আৰু ব্যক্তিত্বৰ বিকাশ সাধন কৰিব। এই দায়িত্বসমূহ পালন কৰি সমিতিখনে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ সাফল্য আৰু বিদ্যালয়ৰ শৈক্ষিক পৰিৱেশতন্ত্ৰৰ সামগ্ৰিক সুস্বাস্থ্যৰ মুখ্য অভিভাৱক হিচাপে কাম কৰে।

3. এছ এম চি-ৰ ভূমিকা আৰু দায়িত্ব বা কাৰ্যাৱলী

এছ এম চি-য়ে বিদ্যালয়ৰ কাৰ্যকৰী শাসন ব্যৱস্থা সুনিশ্চিত কৰিবলৈ আৰু শিক্ষাৰ মানদণ্ড উন্নত কৰিবলৈ এক গুৰুত্বপূৰ্ণ ভূমিকা পালন কৰে। ইয়াৰ প্ৰাথমিক কাৰ্যাৱলীৰ ভিতৰত আছে বিদ্যালয়ৰ সামগ্ৰিক কাম-কাজৰ তদাৰক কৰা আৰু সমগ্ৰ শিক্ষা, পি এম শ্ৰী আৰু পি এম পোষণৰ দৰে শৈক্ষিক আঁচনিসমূহৰ সময়মতে আৰু ফলপ্ৰসূ ৰূপায়ণৰ ওপৰত চকু ৰখা। আন্তঃগাঁথনিৰ অভাৱসমূহ চিনাক্ত কৰি, বৰ্তমানৰ সুবিধাসমূহৰ জৰীপ কৰি আৰু বিদ্যালয়ৰ বিশেষ প্ৰয়োজনীয়তাসমূহ সমাধান কৰি এক বিস্তৃত বিদ্যালয় উন্নয়ন পৰিকল্পনা (এছ ডি পি) প্ৰস্তুত আৰু পৰামৰ্শ দিয়াৰ বাবে এছ এম চি দায়বদ্ধ। বিদ্যালয়ৰ আন্তঃগাঁথনি উন্নত কৰিবলৈ চি এছ আৰসমূহৰ পৰা অনুদান বা বৰঙণি সংগ্ৰহ কৰাৰ ক্ষেত্ৰত এছ এম চি দায়বদ্ধ হ'ব। ইয়াৰ উপৰিও উপযুক্ত চৰকাৰ, স্থানীয় কৰ্তৃপক্ষ বা অন্যান্য উৎসৰ পৰা লাভ কৰা অনুদানৰ ব্যৱহাৰ নিৰীক্ষণ কৰাৰ লগতে বিদ্যালয়-সম্প্ৰদায়ৰ মাজত সংযোগ শক্তিশালী কৰিবলৈ অভিভাৱক আৰু সম্প্ৰদায়ৰ অংশগ্ৰহণ বৃদ্ধি কৰিব। বিদ্যালয়ৰ প্ৰয়োজনীয়তাসমূহ চিনাক্ত কৰি আৰু কাৰ্যকৰী পৰিকল্পনা প্ৰস্তুত কৰি এছ এম চি-য়ে বিদ্যালয়, সম্প্ৰদায় আৰু স্থানীয় কৰ্তৃপক্ষৰ মাজত সমন্বয় গঢ়ি তোলে, যাৰ ফলত এক সামগ্ৰিক, সুৰক্ষিত আৰু সম্পদযুক্ত শিক্ষাৰ পৰিৱেশ সৃষ্টি হয়। সেই অনুসৰি, এছ এম চি সদস্যসকলৰ ভূমিকা আৰু দায়িত্বৰ প্ৰধান ক্ষেত্ৰসমূহৰ ভিতৰত থাকিব পাৰে:

i. সকলো শিশুৰ

নামভৰ্তি, স্থায়ীকৰণ
আৰু অন্তৰ্ভুক্তিমূলক
শিক্ষণৰ সুযোগ নিশ্চিত
কৰা: এছ এম চি (SMC)
সদস্যসকলে বিশেষকৈ
এছ ই ডি জি (SEDG)
আৰু চি ডব্লিউ এছ
এন (CWSN) শ্ৰেণীৰ
শিশুসকলৰ নামভৰ্তি



আৰু নিয়মীয়া উপস্থিতি নিশ্চিত কৰিব লাগে। বিদ্যালয় শিক্ষা গ্ৰহণ আৰু সম্পূৰ্ণ কৰাৰ ক্ষেত্ৰত কোনো শিশুৱে যাতে কোনো বৈষম্য বা বাধাৰ সন্মুখীন নহয় তাকো নিশ্চিত কৰিব লাগে। বিদ্যালয়ত যাতে কোনো শিশু নিৰ্যাতন বা উৎপীড়নৰ বলি নহয়, তাক নিশ্চিত কৰাত এছ এম চিয়ে বিদ্যালয়ক সহায় কৰিব লাগে। তেনে কোনো ঘটনা ঘটিলে লগে লগে সংশ্লিষ্ট কৰ্তৃপক্ষক জনাব লাগে। প্ৰশস্ত (PRASHAST) এপ আৰু অন্যান্য পদ্ধতি ব্যৱহাৰ কৰি বিশেষ প্ৰয়োজনীয়তা থকা শিশুসকলক (CWSN) চিনাক্ত কৰাত এছ এম চিয়ে বিদ্যালয়ক সহায় কৰিব লাগে আৰু সকলো কাৰ্যসূচীত

তেওঁলোকৰ অন্তৰ্ভুক্তিক সমৰ্থন কৰিব লাগে।

- ii. **বিদ্যালয় আধাতে এৰা আৰু বিদ্যালয়ৰ বহিৰ্ভূত শিশুসকলক (OoSC) মূলসুঁতিলৈ অনাৰ বাবে নামভৰ্তি অভিযান:** বিদ্যালয়ৰ নথিপত্ৰ আৰু সামূহিক তথ্যভাণ্ডাৰৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি, এছ এম চি (SMC) সদস্যসকলে বিদ্যালয়ৰ বহিৰ্ভূত আৰু বিদ্যালয় আধাতে এৰা শিশুসকলক চিনাক্ত কৰাত সহায় কৰিব লাগে আৰু তেওঁলোকক বয়স অনুপাতে উপযুক্ত শ্ৰেণীত অন্তৰ্ভুক্ত কৰিবলৈ বিদ্যালয়ৰ কৰ্মচাৰীবাসকলৰ সৈতে সন্মিলিত প্ৰচেষ্টা চলাব লাগে। ইয়াক সহজ কৰি তুলিবলৈ, ঘৰে ঘৰে গৈ কৰা প্ৰচাৰ অভিযান, পিতৃ-মাতৃ আৰু শিশুৰ পৰামৰ্শদান, স্থানীয় সংবাদ মাধ্যম, সামূহিক বেডিঅ', গ্ৰাম সভা আৰু অন্যান্য সামূহিক মাধ্যমৰ জৰিয়তে বিনামূলীয়া আৰু বাধ্যতামূলক বিদ্যালয় শিক্ষাৰ ব্যৱস্থাসমূহ ব্যাপকভাৱে প্ৰচাৰ কৰিব পাৰি। কোনো শিশুৱেই যাতে বিদ্যালয় শিক্ষা লাভ কৰা আৰু সম্পূৰ্ণ কৰাৰ পৰা বঞ্চিত নহয়, তাৰ বাবে যথাসম্ভৱ চেষ্টা কৰিব লাগে। বিদ্যালয়ৰ বহিৰ্ভূত শিশু আৰু প্ৰাক-প্ৰাথমিক (বালবাটিকা/অংগনবাড়ী)ৰ পৰা প্ৰথম শ্ৰেণীলৈ, মৌলিক পৰ্যায়ৰ পৰা প্ৰস্তুতি পৰ্যায়লৈ (দ্বিতীয় শ্ৰেণীৰ পৰা তৃতীয় শ্ৰেণী), প্ৰস্তুতি পৰ্যায়ৰ পৰা উচ্চ প্ৰাথমিকলৈ (পঞ্চম শ্ৰেণীৰ পৰা ষষ্ঠ শ্ৰেণী) আৰু উচ্চ প্ৰাথমিকৰ পৰা মাধ্যমিক পৰ্যায়লৈ (অষ্টম শ্ৰেণীৰ পৰা নৱম শ্ৰেণী) নামভৰ্তি কৰা শিশুসকলৰ তথ্যভাণ্ডাৰ উন্নীতকৰণত এছ এম চিয়ে বিদ্যালয়সমূহক সহায় কৰিব পাৰে।
- iii. **শিক্ষাৰ্থীৰ প্ৰাপ্যসমূহ সময়মতে বিতৰণ কৰাটো নিশ্চিত কৰা:** এছ এম চি সদস্যসকলে যোগ্য শিক্ষাৰ্থীসকলক বিনামূলীয়া পাঠ্যপুথি, ইউনিফৰ্ম, জলপানী, পঢ়া ধন (stipend) আৰু অন্যান্য সুবিধাৰ সময়মতে বিতৰণ নিশ্চিত কৰিব লাগে।
- iv. **অভিভাৱক-শিক্ষক সভা (PTM) সমূহত সহায় কৰা:** শিক্ষাৰ্থীসকলৰ শৈক্ষিক আৰু অন্যান্য ক্ৰিয়া-কলাপ যেনে খেলা-ধুলা, শাৰীৰিক সুস্থতা, স্বাস্থ্য, কলা, আচাৰ-ব্যৱহাৰ আদিৰ প্ৰদৰ্শনৰ বিষয়ে অৱগত কৰিবলৈ এছ এম চিয়ে নিয়মীয়া অভিভাৱক-শিক্ষক সভাৰ আয়োজন আৰু পৰিচালনাত সম্পূৰ্ণ সহায় কৰিব পাৰে। অভিভাৱক-শিক্ষক সভাসমূহ শিশুৰ শৈক্ষিক যাত্ৰাত পিতৃ-মাতৃ বা অভিভাৱকসকলক অন্তৰ্ভুক্ত কৰাৰ এক ফলপ্ৰসূ উপায়।
- v. **শৈক্ষিক পৰিকল্পনা আৰু সমৰ্থন:** এছ এম চি সদস্যসকলে নিশ্চিত কৰিব লাগে যে বিদ্যালয়সমূহে সমগ্ৰ শিক্ষা অভিযান আৰু ৰাষ্ট্ৰীয় শিক্ষানীতি 2020-ৰ অধীনত নিৰ্ধাৰিত নিয়ম আৰু মানদণ্ডসমূহ মানি চলে। শিক্ষকসকলে নিয়মিতভাৱে বিদ্যালয়ত উপস্থিত থাকে নে নাই, পাঠ্যক্ৰম সময়মতে সম্পূৰ্ণ কৰে নে নাই আৰু নিজৰ সন্তানৰ উন্নতিৰ বিষয়ে জনাবলৈ পিতৃ-মাতৃৰ সৈতে সাক্ষাৎ কৰে নে নাই, সেই সম্পৰ্কে তেওঁলোকে নিৰীক্ষণ কৰিব লাগে। শিক্ষকৰ নাটনি দূৰ কৰিবলৈ আৰু শিক্ষকসকলক প্ৰধানকৈ শৈক্ষিক কামত নিয়োজিত কৰিবলৈ সমিতিয়ে প্ৰয়োজনীয় পদক্ষেপ গ্ৰহণত সহায় কৰিব পাৰে।

এছ এম চি-য়ে স্কুল কেলেণ্ডাৰ প্ৰস্তুত কৰা, শ্ৰেণীৰ কাৰ্যকলাপ পৰ্যবেক্ষণ কৰা আৰু শিক্ষণ-শিকন প্ৰক্ৰিয়া শক্তিশালী কৰি ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ শিকনৰ ফলাফল (এল অ') উন্নত কৰিবলৈ শিকনৰ ব্যৱধানসমূহ চিনাক্ত কৰাত শিক্ষকসকলক সহায় কৰিব লাগে। শিকনৰ ধাৰাবাহিকতা যাতে প্ৰভাৱিত নহয়, তাৰ বাবে এছ এম চি-য়ে শিক্ষকৰ ঘনঘন অনুপস্থিতিৰ বিষয়ে সংশ্লিষ্ট কৰ্তৃপক্ষক ৰিপৰ্ট কৰিব লাগে। শিকনক অধিক আকৰ্ষণীয়, প্ৰাসংগিক আৰু সম্প্ৰদায়ৰ সৈতে সংযুক্ত কৰিবলৈ আৰু বৰ্তমানৰ

বেগবিহীন দিনবোৰ সমৃদ্ধ কৰিবলৈ এছ এম চি-য়ে এইসমূহ কৰিব লাগে:

- **অভিজ্ঞতামূলক শিক্ষণক উৎসাহিত কৰিবলৈ বিজ্ঞান মেলা, ঐতিহ্যমণ্ডিত স্থান ভ্ৰমণ বা পৰিৱেশ সজাগতা অভিযানৰ দৰে** সম্প্ৰদায়ভিত্তিক শিক্ষণ অনুষ্ঠানৰ আয়োজনত সহযোগিতা আগবঢ়াওক।
- **পানী সংৰক্ষণ, আৱৰ্জনা ব্যৱস্থাপনা বা বহনক্ষম কৃষিৰ দৰে সম্প্ৰদায়ৰ সমস্যাসমূহৰ ওপৰত** প্ৰকল্পভিত্তিক শিক্ষণক প্ৰসাৰিত কৰাত সহায় কৰক, যাতে শ্ৰেণীৰ জ্ঞানক বাস্তৱ জীৱনৰ প্ৰত্যাহ্বানৰ সৈতে সংযোগ কৰিব পৰা যায়।
- **ৰাষ্ট্ৰীয় শিক্ষা নীতি 2020-ৰ নিৰ্দেশনা অনুসৰি প্ৰাসংগিক কৌশলসমূহ অন্তৰ্ভুক্ত কৰা আৰু বৃত্তিমূলক শিক্ষাৰ বাবে ইনটাৰ্ণশ্বিপ বা এপ্ৰেণ্টিচশ্বিপৰ সুবিধা কৰি দিয়াৰ লক্ষ্যৰে** স্থানীয় ব্যৱসায় আৰু উদ্যোগসমূহৰ প্ৰয়োজনীয়তাৰ সৈতে সংগতি ৰাখি দক্ষতাৰ চাহিদা উত্থাপন কৰক।

vi. **প্ৰাথমিক সাক্ষৰতা আৰু সংখ্যাগ্ৰহণ (FLN) লক্ষ্য প্ৰাপ্তিত সহযোগিতা:** নিপুণ ভাৰত মিছনৰ অধীনত প্ৰাথমিক সাক্ষৰতা আৰু সংখ্যাগ্ৰহণৰ লক্ষ্যসমূহ লাভ কৰিবলৈ স্কুল পৰিচালনা সমিতিয়ে (SMC) সমাজ আৰু অভিভাৱকৰ অংশগ্ৰহণক অধিক উৎসাহিত কৰিব লাগিব।², প্ৰাৰম্ভিক শ্ৰেণীসমূহত শিশুৰ মাতৃভাষাৰ ব্যৱহাৰত উদগনি জনাই, স্থানীয় ভাষাৰ পঢ়া চুক, সাধু কোৱা অনুষ্ঠান আৰু অভিভাৱকৰ দ্বাৰা পৰিচালিত পঠন ক্লাব গঠনত সহায় কৰি প্ৰতিখন বিদ্যালয়ত মানদণ্ডসম্পন্ন শিক্ষাৰ বাবে সামূহিক দায়বদ্ধতা গঢ়ি তুলিব লাগিব। বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে শিক্ষক আৰু সমাজৰ স্বেচ্ছাসেৱকসকলৰ দ্বাৰা বহুভাষিক শিক্ষণ-শিকন সামগ্ৰী প্ৰস্তুত কৰাত সুবিধা কৰি দিব পাৰে... সকলো শিক্ষাৰ্থীয়ে যাতে শ্ৰেণী-উপযোগী প্ৰাথমিক সাক্ষৰতা আৰু সংখ্যাগ্ৰহণৰ দক্ষতা অৰ্জন কৰে সেয়া নিশ্চিত কৰি বিদ্যালয়খনক 'নিপুণ' কৰি তোলাৰ বাবে সমিতিয়ে কেন্দ্ৰীভূত আৰু সময়সীমা নিৰ্ধাৰিত প্ৰচেষ্টাত সমৰ্থন আগবঢ়াব লাগে। শিক্ষকসকলৰ সহযোগত স্থানীয় যুৱ স্বেচ্ছাসেৱকসকলে প্ৰাথমিক সাক্ষৰতা আৰু সংখ্যাগ্ৰহণৰ ক্ষেত্ৰত শিক্ষাৰ্থীৰ অগ্ৰগতি পৰীক্ষা কৰিবলৈ, দৃঢ় কৰিবলৈ আৰু উদযাপন কৰিবলৈ সময়ে সময়ে সামাজিক শিক্ষণ মহোৎসৱ, পঠন অভিযান বা তেনে ধৰণৰ পদক্ষেপ গ্ৰহণ কৰিব পাৰে। আনন্দদায়ক, খেল-ধেমালি ভিত্তিক প্ৰাৰম্ভিক শিক্ষণ আৰু অংগনবাড়ীৰ পৰা বিদ্যালয়লৈ সুচাৰু ৰূপান্তৰ নিশ্চিত কৰিবলৈ বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে অংগনবাড়ী কৰ্মী আৰু প্ৰাথমিক শিক্ষকসকলৰ মাজত যৌথ পৰিকল্পনা আৰু কাৰ্যকলাপত উদগনি দিব লাগে। সমিতিয়ে স্থানীয় শিল্পী, কাৰুশিল্পী আৰু জ্যেষ্ঠ লোকসকলৰ সৈতেও সহযোগিতা কৰিব পাৰে যাতে স্থানীয় গীত, কবিতা, শিল্পকলা আৰু উৎসৱৰ ব্যৱহাৰৰ জৰিয়তে পৰম্পৰাগত জ্ঞান, কলা আৰু স্থানীয় ঐতিহ্যক বিদ্যালয়ৰ কাৰ্যকলাপত অন্তৰ্ভুক্ত কৰিব পাৰি, যাৰ ফলত শিক্ষাৰ্থীসকলৰ মাজত কৌশল বিকাশ আৰু সাংস্কৃতিক শিৰাৰ সৈতে সংযোগ স্থাপনত সহায় হ'ব। অভিভাৱক আৰু সম্প্ৰদায়ৰ অংশগ্ৰহণৰ বিষয়ে বিতং নিৰ্দেশনা নিপুণ ভাৰত ৰূপায়ণ নিৰ্দেশিকা (2021) ৰ চতুৰ্দশ অধ্যায়ত প্ৰদান কৰা হৈছে।

vii. **প্ৰধানমন্ত্ৰী পোষণ শক্তি নিৰ্মাণ (PM POSHAN) আৰু স্বাস্থ্য সম্পৰ্কীয় পদক্ষেপ:** প্ৰধানমন্ত্ৰী পোষণ আঁচনিখনৰ ৰূপায়ণৰ ওপৰত বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ

² নিপুণ ভাৰত (এন আই পি ইউ এন ভাৰত - ৰাষ্ট্ৰীয় বুজাবুজিৰে পঢ়াৰ পাৰদৰ্শিতা আৰু সংখ্যাগ্ৰহণৰ বাবে ৰাষ্ট্ৰীয় পদক্ষেপ) হৈছে এন আই পি 2020-ৰ অধীনত এটা ৰাষ্ট্ৰীয় অভিযান, যাৰ লক্ষ্য হৈছে 2026-27 বৰ্ষৰ ভিতৰত দ্বিতীয় শ্ৰেণীৰ প্ৰতিটো শিশুৰে বুনয়াদী সাক্ষৰতা আৰু সংখ্যাগ্ৰহণ (এফ এল এন) অৰ্জন কৰাটো নিশ্চিত কৰা। এই অভিযানৰ উদ্দেশ্য হৈছে বুনয়াদী পৰ্যায়ত পঢ়া, লিখা আৰু সংখ্যাগ্ৰহণৰ ক্ষেত্ৰত শ্ৰেণী পৰ্যায়ৰ দক্ষতা অৰ্জন কৰা। নিৰ্দেশনাৱলী ইয়াত উপলব্ধ: https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/nipun_bharat_eng1.pdf

সদস্যসকলে সক্ৰিয়ভাৱে চকু ৰাখিব লাগে আৰু কাৰ্যসূচীটোৰ দৈনিক পৰিচালনা তদাৰক কৰিব লাগে। লগতে খাদ্য বিতৰণ কৰাৰ আগতে শিক্ষকসকলৰ সৈতে পাল পাতি আহাৰৰ সোৱাদ লৈ খাদ্যৰ গুণগত মান নিশ্চিত কৰিব লাগে। শিশুসকলৰ পুষ্টিৰ মাত্ৰা বৃদ্ধিৰ বাবে অতিৰিক্ত আহাৰৰ গুৰুত্বৰ ওপৰত গুৰুত্ব দিবলৈ পৰিচালনা সমিতিৰ সভাত তিথি ভোজনৰ ধাৰণা আৰু ইয়াৰ গুৰুত্বৰ বিষয়ে আলোচনা কৰিব পাৰি। তিথি ভোজন হৈছে লোকসকলক খাদ্য যোগান ধৰাৰ ভাৰতীয় পৰম্পৰাগত পদ্ধতিৰ ওপৰত আধাৰিত এক সামাজিক অংশগ্ৰহণৰ পদক্ষেপ। এই পদক্ষেপৰ অধীনত সমাজৰ সদস্যসকলে বিশেষ অনুষ্ঠান বা উৎসৱ যেনে জন্মদিন, বিবাহ বাৰ্ষিকী, বিবাহ, বিভিন্ন উৎসৱ আৰু ৰাষ্ট্ৰীয় গুৰুত্বপূৰ্ণ দিৱস আদিত শিক্ষাৰ্থীসকলক অতিৰিক্ত খাদ্যবস্তু বা সম্পূৰ্ণ আহাৰ হিচাপে পুষ্টিৰ আৰু স্বাস্থ্যসন্মত খাদ্য যোগান ধৰে। স্থানীয় খাদ্য তালিকাৰ বিভিন্নতা অন্তৰ্ভুক্ত কৰা আৰু শ্ৰমদানৰ জৰিয়তে শিক্ষাৰ্থী, পৰিচালনা সমিতিৰ সদস্য আৰু সমাজৰ স্বেচ্ছাসেৱকসকলৰ অংশগ্ৰহণেৰে বিদ্যালয়ৰ পুষ্টি (পাকঘৰ) বাগিচাসমূহৰ বিকাশ আৰু ৰক্ষণাবেক্ষণৰ সন্দৰ্ভত অভিভাৱক আৰু সমাজৰ সদস্যসকলক আলোচনাত অন্তৰ্ভুক্ত কৰিব পাৰি। ইয়াৰ উপৰিও স্বাস্থ্য কৰ্তৃপক্ষৰ সৈতে মিলি বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে সময়ে সময়ে স্বাস্থ্য পৰীক্ষা, পৰিষ্কাৰ-পৰিচ্ছন্নতাৰ অধিবেশন আৰু পুষ্টি সচেতনতা কাৰ্যসূচীৰ আয়োজন কৰিব পাৰে।

viii. আন্তঃগাঁথনি আৰু সা-সুবিধাৰ তদাৰকী: সমাজৰ সদস্য আৰু স্থানীয় কৰ্তৃপক্ষৰ সহযোগত বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ সদস্যসকলে বিভিন্ন শৈক্ষিক পদক্ষেপত সক্ৰিয়ভাৱে অৱদান আগবঢ়াব পাৰে, যাৰ ভিতৰত আছে ৰাষ্ট্ৰীয় শিক্ষানীতি 2020 ৰ ব্যৱস্থা অনুসৰি শিক্ষণ সহায়ক হিচাপে ভৱন (BaLA) কাৰ্যসূচী, ডিজিটেল শিক্ষণ সঁজুলিৰ প্ৰসাৰ, বিজ্ঞান পৰীক্ষাগাৰৰ উন্নতি সাধন, অটল টিংকাৰিং লেব (ATLs), STEM (বিজ্ঞান, প্ৰযুক্তি, অভিযান্ত্ৰিক আৰু গণিত) লেব, ক্ৰীড়া কক্ষ আৰু সা-সৰঞ্জাম, বিদ্যালয়ৰ পুথিভঁৰাল আৰু সক্ৰিয়তা ভিত্তিক শিক্ষণ স্থানসমূহ। নিয়মিত ৰক্ষণাবেক্ষণ আৰু মেৰামতিৰ জৰিয়তে বিদ্যালয়খন যাতে পৰিষ্কাৰ আৰু সুন্দৰ হৈ থাকে সেয়া নিশ্চিত কৰি তেওঁলোকে শিশুবান্ধৱ শিক্ষণ পৰিৱেশ গঢ়ি তোলাত সমৰ্থন আগবঢ়াব পাৰে। খোৱাপানী, শৌচালয়, সীৰা দেৱাল, যাতায়তৰ পথ, ৰেম্প আদিৰ ব্যৱস্থা আন সংশ্লিষ্ট বিভাগসমূহৰ সৈতে সহযোগিতা কৰি নিশ্চিত কৰিব পাৰি।

ix. আৰ্থিক ব্যৱস্থাপনা: পুঁজিৰ সুব্যৱস্থাপনা নিশ্চিত কৰিবলৈ বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে বিদ্যালয়ৰ বাজেট পৰ্যালোচনা কৰিব। ইয়াৰ ভিতৰত বিত্তীয় ৰাশিৰ সুৰক্ষিত জিন্মা, ব্যয়ৰ ওপৰত সঠিক নিয়ন্ত্ৰণ, শুদ্ধ ব্যক্তি বা প্ৰতিষ্ঠানক সময়মতে ধন পৰিশোধ আৰু বিত্তীয় নথি-পত্ৰৰ সঠিক ৰক্ষণাবেক্ষণ অন্তৰ্ভুক্ত। সমিতিয়ে বিদ্যালয়ৰ প্ৰাপ্তি আৰু ব্যয়ৰ বাৰ্ষিক হিচাপ প্ৰস্তুত কৰাত সহায় কৰিব আৰু কোনো ধৰণৰ আৰ্থিক অনিয়ম যাতে নহয় সেয়া নিশ্চিত কৰিব।

এছ এম চি (SMC) সদস্যসকলে আগলুক বিত্তীয় বৰ্ষৰ বাবে বাজেটৰ আনুমানিক হিচাপ প্ৰস্তুত কৰাত অৰিহণা যোগাব আৰু উপযুক্ত যুক্তিৰে ব্যয়ৰ নতুন শিতানৰ প্ৰস্তাৱ দিব পাৰিব। এই সমিতিক বিদ্যালয়ৰ অধ্যক্ষ বা মুৰব্বীক প্ৰদান কৰা বিত্তীয় ক্ষমতাৰ বাহিৰেও অতিৰিক্ত বিত্তীয় ক্ষমতা প্ৰয়োগ কৰাৰ অধিকাৰ দিয়া হৈছে, যদিহে তেনে কাৰ্যসমূহ অনুমোদিত বাজেটৰ ব্যৱস্থাৰ ভিতৰত থাকে।

x. সামাজিক অডিট আৰু তদাৰকীকৰণত সহায় কৰা: বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতি (SMC)-ৰ সদস্যসকলে বিদ্যালয়ৰ কাম-কাজ আৰু সমগ্ৰ শিক্ষাৰ দৰে চৰকাৰী

আঁচনিসমূহৰ ৰূপায়ণৰ নিৰন্তৰ তদাৰকীকৰণত এক গুৰুত্বপূৰ্ণ ভূমিকা পালন কৰে। তেওঁলোকৰ দায়িত্বসমূহৰ ভিতৰত আছে বিদ্যালয়ৰ উন্নয়ন ত্বৰান্বিত কৰিবলৈ ফলপ্ৰসূ পৰিকল্পনা, ব্যৱস্থাপনা আৰু সম্প্ৰদায়ৰ অংশগ্ৰহণ নিশ্চিত কৰা, শিক্ষাৰ্থীৰ নামভৰ্তি আৰু ধাৰাবাহিকতা বৃদ্ধি কৰা আৰু স্কুল আধাতে এৰা ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ সংখ্যা হ্রাস কৰা। সামাজিক অডিট প্ৰক্ৰিয়াৰ সময়ত, SMC সদস্যসকলে গ্ৰাম সভাৰ বৈঠক আৰু ৰাজহুৱা শুনানিত সক্ৰিয়ভাৱে অংশগ্ৰহণ কৰিব বুলি আশা কৰা হয় আৰু অডিটত ওলাই অহা তথ্যসমূহৰ ওপৰত বিদ্যালয় পৰ্যায়ত ব্যৱস্থা গ্ৰহণ কৰাটো নিশ্চিত কৰিবলৈ অনুসৰণমূলক পদক্ষেপ গ্ৰহণ কৰিব লাগে।

- xi. সম্প্ৰদায়ৰ অংশগ্ৰহণ আৰু সম্পদ আহৰণ:** বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে (SMC) অভিভাৱক, প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী, স্বেচ্ছাসেৱক, কৰ্পোৰেট প্ৰতিষ্ঠান আৰু স্থানীয় সংগঠনসমূহক সময়, বিশেষজ্ঞতা আৰু সম্পদৰ অৰিহণা যোগাবলৈ নিয়োজিত কৰি সম্প্ৰদায়ৰ অংশগ্ৰহণ আৰু কৌশলগত সম্পদ আহৰণৰ এক সহযোগিতামূলক পৰিৱেশ তন্ত্ৰ গঢ়ি তুলি বিদ্যালয়ৰ ৰূপান্তৰ প্ৰক্ৰিয়াক ত্বৰান্বিত কৰিব। সম্পদ আহৰণৰ প্ৰচেষ্টাৰ অংশ হিচাপে, SMC-য়ে বিদ্যালয়ৰ আন্তঃগাঁথনি উন্নয়ন, শৈক্ষিক আৰু শিক্ষাদান প্ৰক্ৰিয়াৰ সহায়ক হোৱাকৈ গুণগত মানদণ্ড উন্নত কৰাৰ পদক্ষেপসমূহ সমৰ্থন কৰিবলৈ স্থানীয় কোম্পানী আৰু ৰাজহুৱা খণ্ডৰ প্ৰতিষ্ঠানসমূহৰ (PSU) কৰ্পোৰেট সামাজিক দায়বদ্ধতা (CSR) পুঁজি অন্বেষণ আৰু ব্যৱহাৰ কৰা উচিত। বিদ্যালয়সমূহত এই পদক্ষেপসমূহৰ আনুষ্ঠানিক নিৰীক্ষণ আৰু প্ৰতিবেদন প্ৰদানত সহায় কৰিবলৈ SMC-য়ে নাগৰিক সমাজ সংগঠন (CSO) আৰু সম্প্ৰদায়ৰ নেতাসকলক নিয়োজিত কৰিব, যাৰ ফলত সকলো অংশীদাৰৰ বাবে দীৰ্ঘম্যাদী প্ৰভাৱ আৰু দৃশ্যমানতা নিশ্চিত হয়। নিৰক্ষৰ লোকসকলক চিনাক্ত কৰিবলৈ আৰু সাক্ষৰতাৰ বাবে স্বেচ্ছাসেৱকসকলক একত্ৰিত কৰিবলৈ সম্প্ৰদায়টোক সংগঠিত কৰা হ'ব।

সমাজত সকলোৰে বাবে আজীৱন শিক্ষাৰ ধাৰণাটোক বুজি উঠা (উল্লাস³) (নৱ ভাৰত সাক্ষৰতা কাৰ্যসূচী), যাৰ জৰিয়তে শিক্ষাত সামূহিক মালিকীস্বত্ব আৰু সামাজিক দায়বদ্ধতা শক্তিশালী কৰা হয়।

স্থানীয় বাসিন্দা, প্ৰাক্তন শিক্ষাৰ্থী আৰু অৱসৰপ্ৰাপ্ত পেছাদাৰীসকলে বিদ্যালয়লৈ সক্ৰিয়ভাৱে অৱদান আগবঢ়াব পাৰে। **পৰামৰ্শদাতা আৰু স্বেচ্ছাসেৱক হিচাপে, বিদ্যাঞ্জলি⁴**-ৰ অধীনত শিক্ষাৰ্থীসকলক অভিজ্ঞতাভিত্তিক নিৰ্দেশনা প্ৰদান কৰিব পাৰে। বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে (SMC) এই **বিদ্যাঞ্জলি আঁচনিত** (<https://vidyanjali.education.gov.in>) অংশগ্ৰহণ কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰিবৰ বাবে জনসাধাৰণক একত্ৰিত কৰাত সহায় কৰিব। ইয়াৰ জৰিয়তে শিক্ষা মন্ত্ৰালয়ৰ এই পদক্ষেপে স্বেচ্ছাসেৱী মনোভাৱ আৰু সামূহিক সমৰ্থনৰ এক নিৰন্তৰ সংস্কৃতি গঢ়ি তুলিব, যিয়ে শিকাৰ অভিজ্ঞতাক সমৃদ্ধ কৰাৰ লগতে শিক্ষাৰ্থীৰ সামগ্ৰিক বিকাশক প্ৰসাৰিত কৰিব।

- xii. বিদ্যালয়ত শিশুৰ সুৰক্ষা, নিৰাপত্তা আৰু কল্যাণ নিশ্চিত কৰা:** এছ এম চি-য়ে

³উল্লাস (ULLAS) ভাৰতৰ এক ধ্বজাবাহী আঁচনি, যি 15+ বয়সৰ বিদ্যালয় ছুটা হোৱা প্ৰাপ্তবয়স্ক কাৰ্যকৰী সাক্ষৰতা, সংখ্যাগ্ৰহণ, ডিজিটেল আৰু জীৱন শৈলী শিক্ষা প্ৰদানত গুৰুত্ব দিয়ে। NEP 2020 ৰ আধাৰত স্বেচ্ছাসেৱক-চালিত হাইব্ৰিড আৰ্হিৰে ই নাগৰিক সৱলীকৰণ আৰু এক ৰাষ্ট্ৰীয় শিক্ষণ আন্দোলন গঢ়ি তোলাৰ লক্ষ্য ৰাখে।

⁴বিদ্যাঞ্জলি হ'ল এক সমৰ্পিত ডিজিটেল প্লেটফৰ্ম যাৰ জৰিয়তে চৰকাৰী আৰু চৰকাৰী সাহায্যপ্ৰাপ্ত বিদ্যালয়সমূহে কৰ্প'ৰেট বা পি এছ ইউ গোটসমূহৰ পৰা স্বেচ্ছামূলক সেৱা, সম্পত্তি, চি এছ আৰ সমৰ্থন আৰু ৰাজহুৱা অনুদান এক স্বচ্ছ তথা সুসংগঠিত পদ্ধতিৰে লাভ কৰিব পাৰে।

নিশ্চিত কৰিব লাগিব যে প্ৰতিখন বিদ্যালয়ে সকলো শিশুৰ বাবে এক সুৰক্ষিত, অন্তৰ্ভুক্ত আৰু শিশু-অনুকূল পৰিৱেশ প্ৰদান কৰে। তেওঁলোকে কঠোৰভাৱে শাৰীৰিক বা মানসিক হাৰাশাস্তি, বৈষম্য বা যিকোনো ধৰণৰ নিৰ্যাতনৰ পৰা সুৰক্ষাকে ধৰি শিশুৰ অধিকাৰসমূহ ৰক্ষা কৰিব



লাগে। বিদ্যালয় সুৰক্ষাৰ প্ৰতিশ্ৰুতি, যৌন অপৰাধৰ পৰা শিশু সুৰক্ষা আইন (পকচো) আৰু আন্তৰ্জাতিক অভিযোগ সমিতি (আই চি চি) সম্পৰ্কীয় তথ্য বিদ্যালয়ত স্পষ্টকৈ প্ৰদৰ্শন কৰিব লাগে।

এছএমচি (SMC) সদস্যসকলে স্কুল কৰ্তৃপক্ষ, শিক্ষক আৰু অভিভাৱক-শিক্ষক সংস্থাৰ (PTA) সৈতে নিয়মীয়া বৈঠকৰ জৰিয়তে বিদ্যালয়ৰ সুৰক্ষা আৰু নিৰাপত্তা পৰিকল্পনা প্ৰস্তুত তথা পৰ্যালোচনা কৰাত সক্ৰিয়ভাৱে অংশগ্ৰহণ কৰিব লাগিব। উৎপীড়নবিৰোধী আৰু শিশু যৌন নিৰ্যাতন (CSA) অভিযোগ সমিতিৰ সিদ্ধান্তসমূহ এছএমচি-ৰ বৈঠকত আলোচনা কৰিব লাগে। এছএমচি সদস্যসকলক অন্তৰ্ভুক্ত কৰি গঠিত এখন বিদ্যালয় সুৰক্ষা সমিতিয়ে প্ৰতি তিনি মাহৰ মুৰে মুৰে বিদ্যালয় চৌহদত এক 'সুৰক্ষা ভ্ৰমণ' (Safety walk) চলোৱা আৰু সকলো সুৰক্ষা মানদণ্ড মানি চলাটো নিশ্চিত কৰিব লাগিব।

শিক্ষক আৰু কৰ্মচাৰীসকলৰ সন্মানীয় তথা সহায়ক আচৰণ, শিশু সুৰক্ষা আৰু উৎপীড়নবিৰোধী নীতিৰ ফলপ্ৰসূ ৰূপায়ণ আৰু বিশেষকৈ আৰ্থ-সামাজিকভাৱে অনগ্রসৰ গোট (SEGD) আৰু অন্যান্য অসুৰক্ষিত পটভূমিৰ শিশুসকলৰ বাবে পৰামৰ্শদান তথা মনো-সামাজিক সমৰ্থনৰ সুবিধা নিশ্চিত কৰি এছএমচিয়ে শিক্ষাৰ্থীসকলৰ মানসিক আৰু আৱেগিক কুশলতাকো প্ৰসাৰিত কৰা উচিত। প্ৰতিটো শিশুৰ এক সুৰক্ষিত আৰু লালন-পালনকাৰী পৰিৱেশৰ অধিকাৰ সুৰক্ষিত কৰিবলৈ এই সমিতিয়ে সমাজ আৰু বিদ্যালয়ৰ মাজত এক সেতু হিচাপে কাম কৰিব লাগে। প্ৰাকৃতিক দুৰ্যোগ, প্ৰতিকূল বতৰ, অশান্তি বা অন্যান্য জৰুৰীকালীন অৱস্থাৰ বাবে বিদ্যালয় বন্ধ থকাৰ সময়ত শিক্ষা মন্ত্ৰালয়ৰ 'গাইডলাইনছ অন পেৰেণ্টেল পাৰ্টিচিপেচন ইন হোম-বেছড লাব্ৰিং ডিউৰিং স্কুল ক্লজাৰছ এণ্ড বিয়ণ্ড'ৰ প্ৰসংগৰে এছএমচিয়ে শিক্ষাৰ্থী আৰু অভিভাৱকসকলক সহায় কৰিব পাৰে।

- xiii. বিদ্যালয়ৰ আন্তঃগাঁথনিৰ সুৰক্ষা আৰু দুৰ্যোগ প্ৰশমন প্ৰস্তুতি:** বিদ্যালয়ৰ সুৰক্ষা আৰু নিৰাপত্তা অধিক সুনিশ্চিত কৰিবলৈ বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে (SMC) আন্তঃগাঁথনিৰ সুৰক্ষা আৰু দুৰ্যোগ প্ৰশমন প্ৰস্তুতিৰ দিশটো পৰ্যবেক্ষণ কৰিব লাগিব। সুৰক্ষা, পৰিষ্কাৰ-পৰিচ্ছন্নতা আৰু কাৰ্যক্ষমতা নিশ্চিত কৰিবলৈ সমিতিয়ে বিদ্যালয়ৰ ভৱন, শ্ৰেণীকোঠা, খোৱাপানী আৰু অনাময় ব্যৱস্থা, বিদ্যুৎ সংযোগ আৰু অন্যান্য গুৰুত্বপূৰ্ণ আন্তঃগাঁথনিসমূহ নিয়মিতভাৱে পৰিদৰ্শন কৰিব লাগিব। বিদ্যালয়খনৰ

এক কাৰ্যক্ষম দুৰ্যোগ ব্যৱস্থাপনা পৰিকল্পনা আছে নে নাই সেয়া সমিতিয়ে পৰীক্ষা কৰা উচিত আৰু সুৰক্ষা তথা স্থানান্তৰণৰ আখৰা (ড্ৰিল) বছৰত অন্ততঃ দুবাৰকৈ অনুষ্ঠিত হোৱাটো নিশ্চিত কৰিব লাগে।

xiv. হোষ্টেল ব্যৱস্থাপনা: যিবোৰ বিদ্যালয়ত কস্তৰবা গান্ধী বালিকা বিদ্যালয় (কে জি বি ভি)/ নেতাজী সুভাষ চন্দ্ৰ বসু আৱাসিক হোষ্টেল (এন এছ চি বি হোষ্টেল)/অন্যান্য বিভাগৰ হোষ্টেল (পি এম জনমন, ডি এ জে জি ইউ এ আদি) বিদ্যালয়ৰ সৈতে সংলগ্ন হৈ আছে বা একেটা চৌহদতে আছে, সেইবোৰত বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে (এছ এম চি) এই হোষ্টেলসমূহৰ অৱস্থা আৰু কাম-কাজ নিৰীক্ষণ কৰিব লাগে। ইয়াৰ ভিতৰত সঠিক ৰক্ষণাবেক্ষণ, পৰিষ্কাৰ-পৰিচ্ছন্নতা, সুৰক্ষা, শিশু-অনুকূল সুবিধা আৰু নিৰ্ধাৰিত নিয়ম তথা মানদণ্ড পালন কৰাটো নিশ্চিত কৰা অন্তৰ্ভুক্ত।

xv. পৰিৱেশ আৰু সেউজ অনুশীলনসমূহক উদগনি দিয়া: এছ এম চি-য়ে স্কুলসমূহত বহনক্ষম আৰু সেউজ অনুশীলনসমূহৰ প্ৰসাৰ কৰিব লাগে, যেনে— 'এক পেড মা কে নাম' কাৰ্যসূচীৰ অধীনত বৃক্ষৰোপণ কৰা, পুষ্টি (পাচলি) বাগিচা স্থাপন আৰু ৰক্ষণাবেক্ষণ কৰা, আৱৰ্জনা পৃথকীকৰণ ৰূপায়ণ কৰা, শক্তি সংৰক্ষণ আৰু মিছন লাইফ (Mission LIFE) ৰ দৰে কাৰ্যসূচীৰ অধীনত অন্যান্য পৰিৱেশ-অনুকূল পদক্ষেপসমূহ গ্ৰহণ কৰা।

উপযুক্ত বুলি বিবেচিত হ'লে উপ-সমিতিসমূহক ভূমিকা আৰু দায়িত্বসমূহ আৱণ্টন কৰিব পাৰিব। এছ এম চি-ৰ আন কেইটামান অতিৰিক্ত দায়িত্ব **Annexure-I**-ত উল্লেখ কৰা হৈছে।

4. বিদ্যালয় উন্নয়ন পৰিকল্পনা (SDP)

বিদ্যালয়ে হ্ৰস্বম্যাদী আৰু দীৰ্ঘম্যাদী এছ ডি পি প্ৰস্তুত কৰিব লাগে য'ত শিক্ষাৰ্থীৰ নামভৰ্তি আৰু উপস্থিতিৰ উন্নতি, শিক্ষক/কৰ্মচাৰীৰ কাৰ্যক্ষমতা, বাজেট ব্যৱস্থাপনা, সা-সুবিধা আৰু আন্তঃগাঁথনি (প্ৰাথমিক, প্ৰস্তুতিমূলক, মাধ্যমিক আৰু উচ্চ মাধ্যমিক পৰ্যায়) আদিৰ ওপৰত গুৰুত্ব দিব লাগে।

i. এছ ডিপি (SDP) হ'ল শৈক্ষিক পৰিকল্পনাসমূহৰ এক সংমিশ্ৰণ যিয়ে আন্তঃগাঁথনি আঁচনি আৰু শিকন প্ৰক্ৰিয়াত ইয়াৰ ফলপ্ৰসূ ব্যৱহাৰৰ নিৰ্দেশনা প্ৰদান কৰে। এছ ডিপি-য়ে এখন বিদ্যালয়ৰ শৈক্ষিক দৃষ্টিভঙ্গী আৰু ইয়াক আহৰণ কৰাৰ পথসমূহ প্ৰতিফলিত কৰা উচিত। এইটো বিদ্যালয়ৰ শৈক্ষিক বিকাশৰ লগতে পৰ্যায়ক্ৰমে আন্তঃগাঁথনিমূলক কাম-কাজৰ বাবে এক গুৰুত্বপূৰ্ণ পৰিকল্পনা আৰু

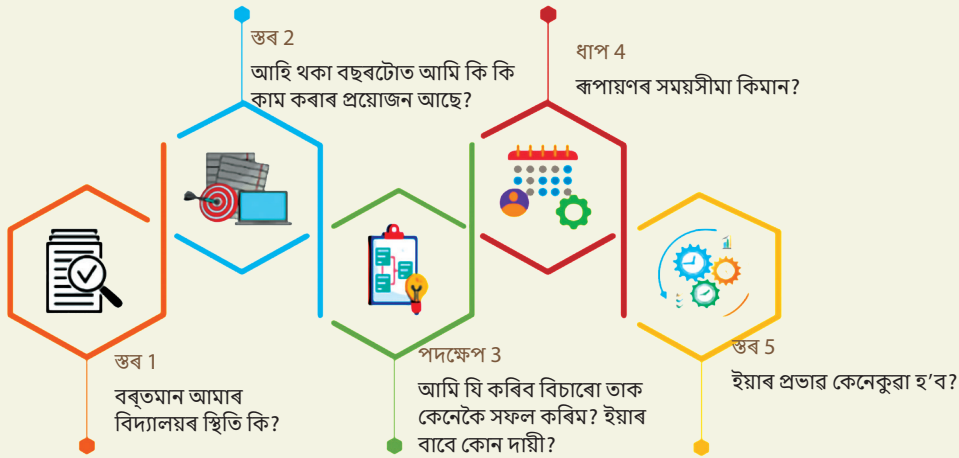
এছ ডি পি (SDP) হৈছে এক কৌশলগত পৰিকল্পনা নথি, যিয়ে তিনি বছৰৰ সময়ছোৱাত বিদ্যালয়ৰ সকলো কাৰ্যকলাপক সামৰি লয়। এইখন এখন পথ নিৰ্দেশিকা যিয়ে শিক্ষাৰ্থীৰ কৃতিত্বৰ স্তৰ উন্নত কৰাৰ বাবে বিদ্যালয়খনে কৰিবলগীয়া পৰিৱৰ্তনসমূহ নিৰ্ধাৰণ কৰে আৰু এই পৰিৱৰ্তনসমূহ কেনেকৈ আৰু কেতিয়া কৰা হ'ব সেইটো দেখুৱায়।

মূল নথি। পৰিকল্পনাৰ কাৰ্যসূচীক এটা সময়ৰ কাৰ্যতকৈ এক ক্ৰমবিকাশমান প্ৰক্ৰিয়া হিচাপে গণ্য কৰা উচিত। এছ এম চি (SMC) সমূহে প্ৰস্তুত কৰা এছ ডিপি-ত বিদ্যালয়খনে কেনেধৰণে বাধ্যমুক্ত আন্তঃগাঁথনি, বিদ্যালয়ৰ প্ৰদৰ্শন উন্নত কৰিবলৈ প্ৰয়োজনীয় সা-সুবিধাৰ উপলব্ধতা আৰু উপস্থিতি বৃদ্ধি কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰিব পাৰে তাৰ বিৱৰণ থাকিব লাগে।

ii. শৈক্ষিক কাম-কাজসমূহে শিকনৰ ফলাফল আৰু শিক্ষাৰ সামগ্ৰিক মানদণ্ড উন্নত কৰাৰ ওপৰত অগ্ৰাধিকাৰ দিব লাগে, য'ত মৌলিক শিক্ষা, দক্ষতা-আধাৰিত শিক্ষা আৰু শিক্ষাৰ্থীসকলৰ সন্নাংগীণ বিকাশৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰা হয়। এই কাম-কাজসমূহ এছ ডিপি-ৰ সৈতে একত্ৰিত কৰিব লাগিব আৰু নিপুণ (NIPUN) ভাৰত মিছন, বৃত্তিমূলক শিক্ষা আঁচনিসমূহ আৰু

10 দিনীয়া বেগবিহীন দিৱসৰ লক্ষ্যৰ সৈতে সংগতি ৰাখিব লাগিব, যাৰ ফলত এক ব্যাপক শিকন পৰিৱেশ তন্ত্ৰ গঢ়ি তুলিব পৰা যায়।

- iii. পূৰ্বৱৰ্তী এছ ডিপি-ৰ ম্যাদ শেষ হোৱাৰ তিনি মাহৰ ভিতৰত এছ এম চি-য়ে পূৰ্বৰ ফলাফলসমূহ পৰ্যবেক্ষণ কৰি আৰু প্ৰয়োজনীয়তাসমূহ পুনৰ মূল্যায়ন কৰি এক নতুন এছ ডিপি প্ৰস্তুত কৰিব। **এই এছ ডিপি হ'ব তিনিটা বাৰ্ষিক উপ-পৰিকল্পনা সম্বলিত এক তিনি বছৰীয়া পৰিকল্পনা।** এছ ডিপি-ত নিম্নলিখিত বিৱৰণসমূহ থাকিব –
- প্ৰতিবছৰৰ শ্ৰেণীভিত্তিক নামভৰ্তিৰ আনুমানিক হিচাপ;
 - নিৰ্ধাৰিত নীতি-নিয়মৰ ভিত্তিত বিদ্যালয় শিক্ষাৰ সকলো পৰ্যায়ৰ বাবে পৃথকে পৃথকে গণনা কৰা তিনি বছৰীয়া সময়ছোৱাত প্ৰধান শিক্ষক, বিষয় শিক্ষক আৰু অংশকালীন শিক্ষকসহ অতিৰিক্ত শিক্ষকৰ প্ৰয়োজনীয়তা।
 - নিৰ্ধাৰিত নীতি-নিয়ম আৰু মানদণ্ডৰ ভিত্তিত গণনা কৰা তিনি বছৰীয়া সময়ছোৱাত অতিৰিক্ত আন্তঃগাঁথনি আৰু সঁজুলিৰ ভৌতিক প্ৰয়োজনীয়তা।
 - বিশেষ প্ৰশিক্ষণৰ সুবিধা প্ৰদানৰ বাবে অতিৰিক্ত প্ৰয়োজনীয়তা, ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ অধিকাৰ যেনে বিনামূলীয়াকৈ পাঠ্যপুথি আৰু ইউনিফৰ্ম, আৰু বিদ্যালয়ৰ দায়িত্ব পালনৰ বাবে আন যিকোনো অতিৰিক্ত বিত্তীয় প্ৰয়োজনীয়তাকে ধৰি ওপৰৰ (খ) আৰু (গ)-ৰ সন্দৰ্ভত বছৰেকীয়া হিচাপত তিনি বছৰীয়া সময়ছোৱাৰ অতিৰিক্ত বিত্তীয় প্ৰয়োজনীয়তা।
- iv. এছ ডি পি-ত অধ্যক্ষ/উপাধ্যক্ষ আৰু সদস্য সচিবৰ স্বাক্ষৰ থাকিব লাগিব আৰু যিটো বিত্তীয় বৰ্ষত ইয়াক প্ৰস্তুত কৰা হ'ব, সেই বৰ্ষটো শেষ হোৱাৰ আগতেই স্থানীয় কৰ্তৃপক্ষৰ ওচৰত দাখিল কৰিব লাগিব।
- v. সকলো ৰাজ্য/কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলৰ সকলো বিদ্যালয়/বিদ্যালয় গোটৰ এছ ডি পি ৰাজহুৱা ক্ষেত্ৰত উপলব্ধ হ'ব। বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে বিদ্যালয়ৰ কাম-কাজৰ তদাৰক আৰু দিশ নিৰ্ণয়ৰ বাবে এছ ডি পি ব্যৱহাৰ কৰিব আৰু এই পৰিকল্পনাসমূহ ৰূপায়ণত সহায় কৰিব। এছ ডি পি-ৰ বাবে বিতং নিৰ্দেশনা নীতিসমূহ **Annexure-II** ত সংলগ্ন কৰা হৈছে।
- vi. প্ৰতি বছৰৰ উপ-পৰিকল্পনাসমূহ মাৰ্চ মাহৰ শেষৰ ভিতৰত বাৰ্ষিকভাৱে পৰ্যালোচনা কৰিব লাগে।



বিদ্যালয় উন্নয়ন পৰিকল্পনা প্ৰস্তুত কৰাৰ পদক্ষেপসমূহ

5. বৈঠক আৰু কাৰ্যবিধি

এছ এম চি (SMC)-ৰ কাৰ্যকৰী পৰিচালনাৰ বাবে নিয়মীয়া আৰু সুসংগঠিত বৈঠকসমূহ অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ। এই বৈঠকবোৰৰ প্ৰতি মাহত অন্ততঃ এবাৰকৈ অনুষ্ঠিত কৰিব লাগে। যিকোনো সিদ্ধান্ত বৈধভাৱে গ্ৰহণ কৰিবলৈ কমেও **সমিতিৰ 50% সদস্যৰ** উপস্থিতিৰে এটা কোৰাম গঠন হোৱাটো প্ৰয়োজনীয়।

প্ৰতিখন বিদ্যালয়ে ৰাজ্যিক, জিলা বা খণ্ড পৰ্যায়ৰ কৰ্তৃপক্ষৰ দ্বাৰা জাৰী কৰা নিৰ্দেশনা অনুসৰি অথবা সংশ্লিষ্ট ৰাজ্য আৰু কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলৰ চৰকাৰী আদেশ অনুসৰি বৈঠক অনুষ্ঠিত কৰিব লাগিব, যাতে সকলো সদস্যই সময়মতে জাননী লাভ কৰে আৰু পূৰ্ণগতিত অংশগ্ৰহণ কৰিব পাৰে। বৈঠকসমূহ বিদ্যালয়ৰ অগ্ৰগতি পৰ্যালোচনা কৰা আৰু যিকোনো প্ৰত্যাহ্বানৰ মোকাবিলা কৰাৰ বাবে এক মুকলি মঞ্চ হ'ব লাগে।

স্বচ্ছতা নিশ্চিত কৰিবলৈ সকলো বৈঠকৰ কাৰ্যবিৱৰণী সঠিকভাৱে লিপিবদ্ধ কৰিব লাগিব, সমিতিৰ সদস্যসকলৰ দ্বাৰা অনুমোদিত হ'ব লাগিব আৰু বিদ্যালয়ৰ জাননী ব'ৰ্ডত বা ডিজিটেল মাধ্যমযোগে (য'ত উপলব্ধ) ৰাজহুৱাভাৱে প্ৰদৰ্শন কৰিব লাগিব।

বিদ্যালয়ৰ উন্নতিৰ বাবে মতামত, অভিভাৱকৰ অংশগ্ৰহণ আৰু সহযোগিতামূলক পদক্ষেপ বৃদ্ধি কৰিবলৈ অভিভাৱক-শিক্ষক সংস্থাসমূহক (PTAs) বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ (SMC) কাৰ্যকলাপৰ সৈতে একত্ৰিত কৰিব পাৰি। বিদ্যালয়ৰ কাৰ্যকলাপ, শিক্ষণ-শিকন সামগ্ৰীৰ গুণগত মান আৰু শিশু সুৰক্ষাৰ বিষয়ে সমাজৰ মতামত সংগ্ৰহ কৰিবলৈ প্ৰতিখন বিদ্যালয়তে পৰামৰ্শ বাকচ বা মতামত পঞ্জীয়ন বহি ৰাখিব লাগিব। বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিয়ে ত্ৰৈমাসিক ভিত্তিত এই মতামতসমূহ পৰ্যালোচনা কৰিব আৰু বৈঠকৰ কাৰ্যবিৱৰণীত গুৰুত্বপূৰ্ণ বিষয়সমূহ অন্তৰ্ভুক্ত কৰিব।

6. সক্ষমতা বৃদ্ধি আৰু প্ৰশিক্ষণ

- নামভৰ্তি, উপস্থিতি আৰু শৈক্ষিক ফলাফলৰ দৰে ক্ষেত্ৰসমূহত শিক্ষাৰ্থীৰ সহায় সৱলীকৰণ কৰাৰ লগতে প্ৰশাসন, নিৰীক্ষণ, তত্ত্বাৱধান আৰু স্থানীয় অংশীদাৰৰ নেতৃত্বত গ্ৰহণ কৰা পদক্ষেপসমূহৰ উন্নতিৰ বাবে বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতি (SMC) ৰ দক্ষতা প্ৰণালীবদ্ধভাৱে বৃদ্ধি কৰিব লাগিব। SMC সমূহৰ কাৰ্যকৰী পৰিচালনা ইয়াৰ সদস্যসকলৰ জ্ঞান, প্ৰেৰণা আৰু দক্ষতাৰ ওপৰত বহু পৰিমাণে নিৰ্ভৰ কৰে। সেয়েহে, নিয়মীয়া দক্ষতা বৃদ্ধিৰ প্ৰচেষ্টা আৰু অৰিয়েন্টেশ্যন কাৰ্যসূচীসমূহ অপৰিহাৰ্য।
- সকলো এছ এম চি সদস্যৰ বাবে বাৰ্ষিক প্ৰশিক্ষণ আৰু পৰিচিতি কাৰ্যসূচী কমিটি গঠন বা পুনৰ গঠনৰ এমাহৰ ভিতৰত আয়োজন কৰিব লাগে, বিশেষকৈ স্থানীয় অঞ্চলত আৰু স্থানীয় ভাষাত যাতে অধিকতম অংশগ্ৰহণ নিশ্চিত হয়। প্ৰশিক্ষণৰ বিষয়বস্তু স্থানীয় প্ৰয়োজনীয়তা অনুযায়ী বিভিন্ন হ'ব পাৰে, যাৰ অন্তৰ্ভুক্ত হ'ব পাৰে:
 - সমতাপূৰ্ণ আৰু গুণগত শিক্ষাৰ প্ৰসাৰৰ সৈতে জড়িত ব্যৱস্থাসমূহ
 - বিদ্যালয় উন্নয়ন পৰিকল্পনা (SDPs) প্ৰস্তুত আৰু ৰূপায়ণ
 - শৈক্ষিক নিৰীক্ষণ আৰু বিদ্যালয়ৰ প্ৰদৰ্শনৰ উন্নতি সাধন
 - আৰ্থিক ব্যৱস্থাপনা আৰু সামাজিক হিচাপ পৰীক্ষা
 - অন্তৰ্ভুক্তিমূলক শিক্ষাৰ অনুশীলন
 - ৰাষ্ট্ৰীয় শিক্ষানীতি (NEP), 2020-ত উল্লেখ কৰা মূল অগ্ৰাধিকাৰসমূহ

- (g) ডিজিটেল সাক্ষৰতা আৰু শৈক্ষিক প্ৰযুক্তিৰ ব্যৱহাৰ
- (h) বিদ্যালয়ৰ সুৰক্ষা আৰু শিক্ষাৰ্থীসকলৰ কুশলতা
- iii. দলৰ সদস্যসকলৰ বাবে অনুস্থাপন (Orientation) অগ্ৰাধিকাৰ ভিত্তিত ভৌতিক বা প্ৰত্যক্ষ পদ্ধতিৰে (Physical mode) পৰিচালনা কৰা উচিত। প্ৰয়োজনীয়তা অনুসৰি, পৰৱৰ্তী সময়ত ইয়াক মিশ্ৰিত পদ্ধতি (অনলাইন আৰু ব্যক্তিগতভাৱে) উভয়তে অনুষ্ঠিত কৰিব পৰা যায়। স্থানীয় প্ৰেক্ষাপট ভালদৰে বুজি পোৱা স্থানীয় বিশেষজ্ঞ আৰু শিক্ষাবিদসকলক এই কাৰ্যত নিয়োজিত কৰা উচিত। সফলতাৰে সমাপ্ত কৰাৰ বাবে প্ৰমাণপত্ৰ প্ৰদানৰ ব্যৱস্থাক অগ্ৰাধিকাৰ দিব পাৰি।
- iv. ৰাজ্য আৰু কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহক ৰাষ্ট্ৰীয় পৰ্যায়ৰ ডিজিটেল মঞ্চসমূহ যেনে নেচনেল ইনিচিয়েটিভ ফৰ স্কুল হেডছ এণ্ড টিচাৰছ হোলিষ্টিক এডভান্সমেণ্ট (NISHTHA), ডিজিটেল ইনফ্ৰাষ্ট্ৰাকচাৰ ফৰ নলেজ শ্বেয়াৰিং (DIKSHA) আৰু উল্লাস (ULLAS)-ক স্বেচ্ছাসেৱা, সাক্ষৰতা কাৰ্যসূচী, বা মিশ্ৰিত শিক্ষণ মডিউল, পুনৰীক্ষণ প্ৰশিক্ষণ (refresher trainings) আৰু সমনীয়াৰ পৰা শিকাৰ (peer learning) সুযোগ প্ৰদান কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰিব পাৰি। ৰাজ্য বা কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহে যিকোনো বিদ্যমান মডিউলক প্ৰয়োজনীয় উন্নীতকৰণ বা পৰিৱৰ্তন কৰি ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰে। বাৰ্ষিক প্ৰশিক্ষণৰ উপৰিও, ৰাজ্য আৰু কেন্দ্ৰীয় শাসিত অঞ্চলসমূহে বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ (SMC) সদস্যসকলৰ মাজত সমনীয়াৰ পৰা শিকা বা পৰামৰ্শদান সত্ৰৰ আয়োজন কৰিব পাৰে, য'ত অভিজ্ঞ সদস্যসকলে নতুন সমিতিসমূহৰ সৈতে তেওঁলোকৰ সু-অভ্যাসসমূহ বিনিময় কৰিব পাৰে।

7. বিত্তীয় ব্যৱস্থাপনা আৰু সামাজিক অভিত

- i. স্বচ্ছ আৰু দায়বদ্ধ বিত্তীয় ব্যৱস্থাপনা এছ এম চি (SMC)-ৰ এক মৌলিক দায়িত্ব। তেওঁলোকৰ কাৰ্যাৱলী সম্পাদনৰ বাবে প্ৰাপ্ত সকলো পুঁজি এটা পৃথক যুটীয়া বেংক একাউণ্টত ৰাখিব লাগিব, যিটো বিশেষভাৱে এছ এম চি-ৰ বিত্তীয় লেনদেন পৰিচালনাৰ বাবে অধ্যক্ষ আৰু সদস্য সচিবৰ নামত থাকিব। বিদ্যালয়ৰ একাউণ্টসমূহ সঠিকভাৱে ৰক্ষণাবেক্ষণ কৰা আৰু সকলো সম্পৰ্কীয় নথি-পত্ৰ সুৰক্ষিত কৰি ৰখাৰ বাবে অধ্যক্ষ বা বিদ্যালয়ৰ মুৰব্বী দায়বদ্ধ থাকিব।
- ii. 30 লাখ টকালৈকে ব্যয় হোৱা সকলো নিৰ্মাণ কাৰ্য ` এছ এম চি-ৰ দ্বাৰা সম্পন্ন কৰিব পৰা যাব। এছ এম চি-য়ে সঠিক হিচাপৰ নথি-পত্ৰ বজাই ৰখাৰ লগতে স্বচ্ছ পৰিকল্পনা, ক্ৰয় আৰু কাৰ্যকৰীকৰণ নিশ্চিত কৰিব পাৰে। ক্ৰয় প্ৰক্ৰিয়াত এছ এম চি-ৰ জৰিয়তে সমাজৰ অংশগ্ৰহণে অংশীদাৰসকলৰ মাজত এক স্বত্বাধিকাৰৰ ভাৱ সৃষ্টি কৰাৰ উপৰিও ক্ৰয়ত স্বচ্ছতা আনি দিয়ে।
- iii. 30 লাখ টকাতকৈ অধিক ব্যয় হোৱা নিৰ্মাণ কাৰ্যসমূহ ` শেহতীয়া কেন্দ্ৰীয় লোকনিৰ্মাণ বিভাগ (CPWD)-ৰ কাৰ্য নিৰ্দেশিকা বা ৰাজ্যিক লোকনিৰ্মাণ বিভাগৰ কাৰ্য পদ্ধতি অনুসৰি ৰাজহুৱা নিবিদা আহ্বান কৰি সম্পাদন কৰিব পৰা যাব। স্বচ্ছতা, গুণগত মান আৰু সময়মতে কাম সম্পূৰ্ণ কৰাটো নিশ্চিত কৰিবলৈ এছ এম চি-য়ে নিবিদা চূড়ান্ত কৰা আৰু প্ৰকল্প ৰূপায়ণৰ সকলো পৰ্যায়ত অংশগ্ৰহণ কৰিব পাৰে।
- iv. এছ এম চি-ৰ সদস্যই বিদ্যালয়ত কৰা ৰক্ষণাবেক্ষণ আৰু মেৰামতি কাৰ্য প্ৰমাণিত কৰিব পাৰে যাৰ বাবে কাৰিকৰী নিয়মসমূহ পালন কৰা প্ৰয়োজন। খৰচৰ মাপকাঠিসমূহৰ

বিষয়ে জানিব পৰাৰ ক্ষেত্ৰত সমাজৰ যি অধিকাৰ আছে তাক সম্পূৰ্ণ সন্মান কৰিব লাগিব। বিদ্যালয় বা সমিতি পৰ্যায়ত ক্ৰয় কৰিবলগীয়া সামগ্ৰীসমূহৰ এক নিৰ্দ্দেশক তালিকা **Annexure-III**-ত দিয়া হৈছে।

- v. এখন পৃথক কেশ বুক (নগদ বহী), বেংক পাছবুক আৰু ক্ৰয় সম্পৰ্কীয় নথি-পত্ৰ ৰাখিব লাগে। সকলো বিত্তীয় লেনদেন এই কেশ বুকত লিপিবদ্ধ কৰিব লাগে।
- vi. মাহিলী বেংক সমন্বয় কৰিব লাগে আৰু স্বাক্ষৰিত বিৱৰণসমূহ এখন পঞ্জীয়ন বহীত বা কেশ বুকৰ অংশ হিচাপে সংৰক্ষণ কৰিব লাগে। ভাউচাৰবোৰৰ বাবে এখন পৃথক ফাইল ৰাখিব লাগে যিবোৰ কেশ বুকৰ সৈতে সঠিকভাৱে সংলগ্ন আৰু ক্ৰমিক নম্বৰযুক্ত হ'ব লাগে।
- vii. এছ এম চি-য়ে সামগ্ৰী পঞ্জীয়ন (Stock Register) আৰু স্থাৱৰ সম্পত্তি পঞ্জীয়ন (Fixed Asset Register) বজাই ৰাখিব আৰু আপডেট কৰিব লাগে। এই পঞ্জীয়নৰ বাৰ্ষিক ভৌতিক সত্যাপন কৰিব লাগে।
- viii. বিদ্যালয়ৰ পুঁজি যিকোনো সময়তে অভ্যন্তৰীণ বা বিভাগীয় বিষয়াৰ দ্বাৰা পৰীক্ষা (Audit) কৰিব পৰা যাব আৰু প্ৰতিটো বিত্তীয় বৰ্ষৰ অন্তত বাৰ্ষিক হিচাপ দাখিল কৰাৰ বাবে এছ এম চি দায়বদ্ধ হ'ব, যিটো নকৰিলে পৰৱৰ্তী কোনো অনুদান দিয়া নহ'ব।
- ix. হিচাপ পৰীক্ষাৰ সময়ত এই নথি-পত্ৰসমূহ উপলব্ধ কৰাব লাগিব। হিচাপসমূহ এছ এম চি-ৰ অধ্যক্ষ বা উপাধ্যক্ষ আৰু আহ্বায়ক বা সদস্য সচিবৰ দ্বাৰা সঠিকভাৱে স্বাক্ষৰিত হ'ব লাগে আৰু প্ৰস্তুত কৰাৰ এমাহৰ ভিতৰত স্থানীয় কৰ্তৃপক্ষক জমা দিব লাগে বা বিদ্যালয়ৰ জাননী ফলকত প্ৰদৰ্শন কৰিব লাগে।
- x. বিদ্যালয়ৰ আন্তঃগাঁথনিৰ বাবে আৱণ্টিত অনুদান, কম্পজিট স্কুল গ্ৰাণ্ট, আৰু ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ বিনামূলীয়া সম্পদ যেনে পাঠ্যপুথি, ইউনিফৰ্ম আৰু বৃত্তিৰ অধিকাৰসমূহ সমগ্ৰ শিক্ষা আঁচনিৰ অনুমোদিত নীতি-নিৰ্দ্দেশনা অনুসৰি এছ এম চি-ৰ সহযোগত ব্যৱহাৰ কৰা হ'ব।
- xi. স্বচ্ছতা সুদৃঢ় কৰিবলৈ এছ এম চি-য়ে অগ্ৰাধিকাৰ ভিত্তিত আয় আৰু ব্যয়ৰ **ডিজিটেল নথিপত্ৰ ৰাখিব পাৰে**। বিত্তীয় অভিলেখ, সভাৰ কাৰ্যবিৱৰণী আৰু হিচাপ পৰীক্ষাৰ সাৰাংশ বিদ্যালয়ৰ জাননী ফলকত প্ৰদৰ্শন কৰিব পাৰে।
- xii. স্বচ্ছতা আৰু দায়বদ্ধতা অধিক বৃদ্ধি কৰিবলৈ এছ এম চি-ক **প্ৰতিটো শিক্ষাবৰ্ষত অন্ততঃ এবাৰ সামাজিক হিচাপ পৰীক্ষা (Social Audit) কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰা হয়**। ইয়াৰ বাবে স্কুল শিক্ষা আৰু সাক্ষৰতা বিভাগ, শিক্ষা মন্ত্ৰণালয়ৰ (https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/Guidelines_for_Social_Audit_of_Samagra_Shiksha_scheme.pdf) দ্বাৰা জাৰি কৰা 'সমগ্ৰ শিক্ষাৰ সামাজিক হিচাপ পৰীক্ষাৰ নিৰ্দ্দেশিকা' অনুসৰণ কৰিব লাগিব।

8. মন্ত্ৰালয়/বিভাগসমূহৰ সৈতে একত্ৰীকৰণৰ জৰিয়তে সম্পদৰাজিৰ সদ্ব্যৱহাৰ

সম্পদৰ দক্ষ ব্যৱহাৰ নিশ্চিত কৰিবলৈ আৰু প্ৰচেষ্টাৰ পুনৰাবৃত্তি পৰিহাৰ কৰিবলৈ এছ এম চি (SMC)-য়ে চৰকাৰৰ অন্যান্য বিভাগ আৰু স্থানীয় নিকায়সমূহৰ সৈতে সমন্বয় ৰাখি বিদ্যালয়ৰ কাৰ্যৱলী পৰিকল্পনা আৰু ৰূপায়ণ কৰিব পাৰে। এই অভিমুখে সমগ্ৰ চৰকাৰী দৃষ্টিভংগীৰ অধীনত শিক্ষাৰ্থীৰ প্ৰদৰ্শন, বিদ্যালয়ৰ আন্তঃগাঁথনি, স্বাস্থ্য, পুষ্টি, দক্ষতা আৰু সামূহিক

পদক্ষেপসমূহ শক্তিশালী কৰাত সহায় কৰিব। বিভাগ আৰু কাৰ্য্যৱলীৰ এক সূচক তালিকা তলত অন্তৰ্ভুক্ত কৰা হ'ল:

i. স্বাস্থ্য আৰু পৰিয়াল কল্যাণ বিভাগ

- শিক্ষকসকলক স্বাস্থ্য আৰু কল্যাণ দূত হিচাপে সহায় কৰি বিদ্যালয় স্বাস্থ্য কাৰ্য্যসূচী (SHP) ৰূপায়ণ কৰক।
- ঋতুস্মাৰ পৰিষ্কাৰ-পৰিচ্ছন্নতা আঁচনি (MHS)-ৰ জৰিয়তে স্বচ্ছতাক প্ৰসাৰিত কৰক — চেনিটেৰী সামগ্ৰী আৰু নিষ্কাশনৰ সুবিধা উপলব্ধ হোৱাটো নিশ্চিত কৰক।
- স্থানীয় স্বাস্থ্য কৰ্তৃপক্ষৰ সহযোগত বাৰ্ষিক স্বাস্থ্য, ফিটনেছ আৰু পুষ্টি শিবিৰৰ আয়োজন কৰক।
- 'ধঁপাত মুক্ত শিক্ষা প্ৰতিষ্ঠান'ৰ নীতি নিৰ্দেশনা ৰূপায়ণৰ বাবে
- স্কুলীয়া স্বাস্থ্য কাৰ্য্যসূচী, যাৰ ভিতৰত আছে পেলু নিৰ্ভুল আৰু মাইক্ৰ'-নিউট্ৰিয়েণ্ট পৰিপূৰক প্ৰদান, য'ত দুৱল শ্ৰেণীৰ বিশেষকৈ কৈশোৰ প্ৰাপ্ত হ'বলগীয়া ছোৱালীসকলৰ প্ৰতি বিশেষ গুৰুত্ব দিয়া হয়।

ii. গ্ৰামোন্নয়ন বিভাগ

স্কুলীয়া আন্তঃগাঁথনিৰ যিকোনো নিৰ্মাণ কাৰ্য আৰু BaLA বৈশিষ্ট্যসমূহ শক্তিশালী কৰাৰ বাবে বিকশিত ভাৰত - গেৰাণ্টি ফৰ ৰোজগাৰ এণ্ড আজীৱিকা মিছন-গ্ৰামীণ (VB-G RAM G) পুঁজিৰ ব্যৱহাৰত সহায় কৰক।

iii. নগৰ উন্নয়ন বিভাগ

এছ এম চি-য়ে অটল মিছন ফৰ ৰিজুভেনেচন এণ্ড আৰবান ট্ৰান্সফৰ্মেশ্যন (এ এম আৰ ইউ টি^৫) আৰু স্বচ্ছ ভাৰত মিছন (এছ বি এম^৬) ৰ দৰে আঁচনিৰ অধীনত পৌৰ নিগম আৰু নগৰ পঞ্চায়তৰ দৰে পৌৰ নিকায়সমূহৰ (ইউ এল বি) পৰা সহায় লাভ কৰিব পাৰে।

iv. খোৱাপানী আৰু অনাময় বিভাগ

- স্বচ্ছ ভাৰত অভিযানৰ (SBM) অধীনত শৌচালয় আৰু হাত ধোৱা স্থানসমূহ পৰিষ্কাৰ কৰি ৰাখক।
- মাহেকীয়া স্বাস্থ্যবিধি ব্যৱস্থাপনাৰ (MHM) জৰিয়তে মাহেকীয়া স্বাস্থ্যবিধি আৰু সুৰক্ষিত নিষ্কাশন পদ্ধতিসমূহ প্ৰসাৰ কৰক।
- জল জীৱন মিছনৰ (JJM) জৰিয়তে বিদ্যালয়ত সুৰক্ষিত আৰু পৰ্যাপ্ত খোৱাপানীৰ সুবিধা নিশ্চিত কৰক।

v. মহিলা আৰু শিশু বিকাশ বিভাগ

- শিশু সুৰক্ষা সেৱাৰ (CPS) জৰিয়তে সুৰক্ষিত স্থান আৰু ৰেফাৰেল ব্যৱস্থা গঢ়ি তোলাক।
- আৰ টি ই আইনৰ অধীনত শিশুসকলে যাতে তেওঁলোকৰ অধিকাৰ লাভ কৰে সেয়া সুনিশ্চিত কৰিবলৈ ৰাজ্যিক শিশু অধিকাৰ সুৰক্ষা আয়োগৰ (এছ চি পি চি আৰ) সৈতে নিবিড় সহযোগিতা

⁵ AMRUT আঁচনিৰ অধীনত, নগৰীয়া স্থানীয় নিকায়সমূহে পানী যোগান, পয়ঃপ্ৰণালী ব্যৱস্থা, সেউজ স্থান, শৌচাগাৰৰ সুবিধা, খেলপথাৰ আৰু উন্নত পৰিবহণ সংযোগকে ধৰি অত্যৱশ্যকীয় আন্তঃগাঁথনি প্ৰদান কৰে।

⁶ স্বচ্ছ ভাৰত অভিযানে নগৰীয়া অঞ্চলত ধূসৰ জল (গ্ৰে-ৱাটাৰ) আৰু ক'লা পানীৰ (ব্লেক-ৱাটাৰ) কাৰ্যকৰী ব্যৱস্থাপনাৰ লগতে বৈজ্ঞানিক কঠিন আৱৰ্জনা ব্যৱস্থাপনাৰ জৰিয়তে বিদ্যালয়ৰ চৌহদসমূহক "আৱৰ্জনা-মুক্ত" কৰাত সহায় কৰে।

(c) অংগনবাড়ী কেন্দ্ৰ আৰু বিদ্যালয়সমূহৰ মাজত সমন্বয়ৰ উন্নতি সাধন কৰা

vi. দক্ষতা বিকাশ আৰু উদ্যমিতা সংক্ৰান্তীয় বিভাগ

- (a) দক্ষতা বিকাশৰ কাৰ্যসূচীসমূহৰ বাবে সমন্বয় ৰক্ষা কৰক।
- (b) স্থানীয় উদ্যোগৰ প্ৰয়োজনীয়তা অনুসৰি শিক্ষাৰ্থীক কেৰিয়াৰৰ পথ দেখুৱাওক।

vii. সামাজিক ন্যায় আৰু সরলীকৰণ বিভাগ

- (a) CwSN শিক্ষাৰ্থীসকলৰ বাবে দীনদয়াল দিব্যাংগ পুনৰ্স্থাপন আঁচনি (DDRS) ব্যৱহাৰ কৰক।
- (b) যোগ্য অনান্য পিছপৰা শ্ৰেণীৰ (OBC) শিক্ষাৰ্থীসকলক চিনাক্ত কৰি আৰু আবেদন প্ৰক্ৰিয়াত সহায় কৰি প্ৰধানমন্ত্ৰী ইয়াং এচিভাৰ্ছ ফ্লেণ্ডাৰশ্বিপ এৱাৰ্ড স্কিম ফৰ ভাইব্ৰেণ্ট ইণ্ডিয়া (PM-YASASVI) জলপানী আঁচনিৰ প্ৰসাৰ কৰা।
- (c) বিশেষ প্ৰয়োজনীয়তাসম্পন্ন শিশুসকলক মূলসুঁতিৰ শিক্ষাৰ বাবে প্ৰস্তুত কৰিবলৈ আগতীয়া হস্তক্ষেপ কাৰ্যসূচীসমূহত সহায় কৰা।
- (d) নিচামুক্ত বিদ্যালয় নিশ্চিত কৰিবলৈ সমৰ্থন আগবঢ়োৱা।

viii. যুৱ পৰিক্ৰমা আৰু ক্ৰীড়া বিভাগ

- (a) খেল' ইণ্ডিয়াৰ অধীনত বিদ্যালয় পৰ্যায়ৰ ক্ৰীড়া আয়োজন কৰক।
- (b) ক্ৰীড়াৰ বিকাশৰ বাবে ৰাষ্ট্ৰীয় কাৰ্যসূচী ব্যৱহাৰ কৰি ক্ৰীড়া আন্তঃগাঁথনি উন্নত কৰক।
- (c) সৃজনশীলতা আৰু দলীয় কাম-কাজ বৃদ্ধি কৰিবলৈ ৰাষ্ট্ৰীয় বিদ্যালয় বেণ্ড প্ৰতিযোগিতাত অংশগ্ৰহণ কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰক।
- (d) বিদ্যালয়ৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ বাবে ৰাজহুৱা ক্ৰীড়া সুবিধাসমূহ ব্যৱহাৰ কৰক।
- (e) বিভিন্ন ক্ৰীড়াৰ প্ৰশিক্ষক আৰু বিশেষজ্ঞৰ সহায় লওক আৰু যোগ প্ৰশিক্ষকৰ ব্যৱস্থা কৰক।

ix. বিধি আৰু ন্যায় বিভাগ

- (a) পকচো (POCSO) আইনকে ধৰি শিশু সুৰক্ষা আইনসমূহৰ পালন নিশ্চিত কৰক।
- (b) শিক্ষাৰ্থী, অভিভাৱক আৰু কৰ্মচাৰীসকলৰ বাবে আইনী সাক্ষৰতাৰ বৈঠক আয়োজন কৰক।
- (c) হাৰাশাস্তি, উৎপীড়ন আৰু শাৰীৰিক দণ্ডৰ দৰে ঘটনাসমূহৰ বাবে স্পষ্ট অভিযোগ দাখিলৰ ব্যৱস্থা গঢ়ি তোলাক।

x. গৃহ পৰিক্ৰমা বিভাগ

- (a) শিশু সুৰক্ষা আইন বলবৎ কৰাৰ বাবে স্থানীয় আৰক্ষীৰ সৈতে সহযোগ কৰক।
- (b) সুৰক্ষা অডিট আৰু জৰুৰীকালীন প্ৰস্তুতিৰ ড্ৰিলসমূহ পৰিচালনা কৰক।
- (c) প'কচ' আইনৰ অধীনত সংঘটিত ঘটনাসমূহ চম্ভালিবলৈ কৰ্মচাৰীসকলক প্ৰশিক্ষণ দিয়াটো নিশ্চিত কৰক।

xi. পঞ্চায়তী ৰাজ বিভাগ

- (a) বিদ্যালয়ৰ উন্নতিৰ বাবে সমাজৰ স্বেচ্ছাসেৱকসকলক একত্ৰিত কৰক।

- (b) গ্ৰাম্য আৰু নগৰীয়া উভয় অঞ্চলতে বিদ্যালয়-সম্প্ৰদায়ৰ মাজত যোগাযোগ শক্তিশালী কৰা।
- (c) বিদ্যালয় বা শিক্ষা প্ৰতিষ্ঠানৰ বাবে পঞ্চায়তী ৰাজ প্ৰতিষ্ঠানত উপলব্ধ যিকোনো সম্পদৰ সঠিক ব্যৱহাৰ নিশ্চিত কৰা।
- (d) তিথি ভোজনৰ আয়োজন কৰা

9. SMC-ৰ নিৰীক্ষণ আৰু সহায়

এছ এম চি (SMC) সমূহৰ নিৰীক্ষণ আৰু সহায়ৰ বাবে এটা ব্যৱস্থা থাকিব লাগে। ব্লক আৰু জিলা শিক্ষা বিষয়াসকলে সৰল পৰীক্ষণ তালিকা (checklist) ব্যৱহাৰ কৰি বছৰত দুবাৰকৈ এছ এম চিৰ কাৰ্যক্ষমতা পৰ্যালোচনা কৰিব লাগে। শাস্তিমূলক ব্যৱস্থাৰ পৰিৱৰ্ত্তে কাৰ্যক্ষমতা উন্নত কৰিবলৈ ওচৰৰ বিদ্যালয়সমূহৰ মাজত সহায়ক তত্ত্বাৱধান আৰু সহপাঠীৰ পৰা শিকাৰ (peer-learning) প্ৰক্ৰিয়াক উদগনি দিব লাগে। এছ এম চিৰ কাৰ্যকলাপ জোখিবলৈ সভাৰ পঞ্জীয়ন বহীৰ (Meetings Register) প্ৰথম পৃষ্ঠাত এটা পৰীক্ষণ তালিকা থাকিব লাগে য'ত সভাৰ সংখ্যা, উপস্থিতৰ শতকৰা হাৰ, লোৱা সিদ্ধান্তসমূহ, পুঁজিৰ ব্যৱহাৰ আদিৰ দৰে সৰল সূচকসমূহ বাৰ্ষিকভাৱে নিৰীক্ষণ কৰিব পৰা যায়। ভৌতিকভাৱে সভা অনুষ্ঠিত কৰা সম্ভৱ নহ'লে বিদ্যালয়সমূহে হোৱাটছএপ (WhatsApp) বা গুগল মিটৰ (Google Meet) দৰে সঁজুলি ব্যৱহাৰ কৰি ভাৰচুৱেল বা হাইব্ৰিড মোডত এছ এম চিৰ সভা অনুষ্ঠিত কৰিব পাৰে। মাহেকীয়া সভাসমূহত এছ এম চিয়ে মতামত বাকচৰ (feedback box) জৰিয়তে লাভ কৰা মতামতসমূহ আলোচনা কৰিব পাৰে। নিৰ্বাচন বা কাৰ্যকলাপৰ সময়ত হোৱা বিবাদসমূহ ব্লক শিক্ষা বিষয়া (BEO) বা আন কোনো মনোনীত কৰ্ত্তৃপক্ষই সমাধান কৰিব পাৰে।



10. সামৰণি

বিদ্যালয়সমূহক সজীৱ শিক্ষণ পৰিস্থিতিতলৈ ৰূপান্তৰিত কৰিবলৈ সামূহিক মালিকীস্বত্বৰ প্ৰয়োজন, য'ত এছ এম চি সমূহে সম্প্ৰদায়ৰ

অংশগ্ৰহণৰ বাবে প্ৰাথমিক প্ৰাতিষ্ঠানিক মঞ্চ হিচাপে কাম কৰে। সম্প্ৰদায়ৰ জড়িতকৰণ কেৱল প্ৰতীকী সমৰ্থনতে সীমাবদ্ধ নাৰাখি তাক সুসংগঠিত, নিৰন্তৰ আৰু প্ৰণালীবদ্ধ অংশগ্ৰহণলৈ যাব লাগিব। অভিভাৱক, প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী, স্থানীয় নিকায়, অসামৰিক সমাজ সংস্থা (চি এছ অ'), কৰ্পৰেট আৰু নাগৰিকসকলে পাৰস্পৰিক সম্পৰ্কযুক্ত পথৰ জৰিয়তে অৰিহণা যোগাব পাৰে, যিবোৰ এছ এম চিৰ জৰিয়তে সমন্বয় কৰি শিক্ষা প্ৰদান, সমতা আৰু দায়বদ্ধতা শক্তিশালী কৰিব পৰা যায়।

বিদ্যালয়সমূহ শক্তিশালী কৰিবলৈ শিক্ষা কেৱল চৰকাৰৰ দায়িত্ব বুলি ধৰা মনোভাৱৰ পৰা আঁতৰি আহি ইয়াক সমাজৰ এক উমৈহতীয়া অভিযান হিচাপে স্বীকৃতি দিয়াৰ প্ৰয়োজন। বিদ্যালয়সমূহক সমষ্টিগত সম্পদ হিচাপে গণ্য কৰিব লাগিব — যিবোৰ সকলোৰে বাবে অন্তৰ্ভুক্তিমূলক আৰু লালন-পালনৰ এক কেন্দ্ৰ হ'ব। বিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ (SMC)

জৰিয়তে অভিভাৱক, প্ৰাক্তন ছাত্ৰ-ছাত্ৰী, স্থানীয় নেতা, স্বেচ্ছাসেৱক আৰু ব্যক্তিগত অংশীদাৰকে ধৰি প্ৰতিজন অংশীদাৰে পৰৱৰ্তী প্ৰজন্মক গঢ় দিয়াত এক অৰ্থপূৰ্ণ ভূমিকা পালন কৰিব পাৰে। যেতিয়া সৱলীকৃত SMC-ৰ জৰিয়তে সম্প্ৰদায়বোৰে **ৰাজহুৱা শিক্ষাৰ অভিভাৱক** হিচাপে কাম কৰে, তেতিয়া সংস্কাৰসমূহ স্থানীয়ভাৱে গ্ৰহণযোগ্য, সঁহাৰিজনক আৰু বহনক্ষম হৈ পৰে।

দেশৰ বিভিন্ন প্ৰান্তৰ বিদ্যালয়সমূহে **কোটি কোটি শিশুক** সুযোগ, মৰ্যাদা আৰু সমতা প্ৰদান কৰি সেৱা আগবঢ়াই আহিছে আৰু এইবোৰ **ৰাষ্ট্ৰীয় উন্নয়ন আৰু সামাজিক সংহতি**ৰ মুখ্য স্তম্ভ হৈ আছে। SMC-ৰ নেতৃত্বত স্বেচ্ছাসেৱী সেৱা, মেণ্টৰিং, উদ্ভাৱন, সম্পদ সংগ্ৰহ আৰু অংশগ্ৰহণমূলক শাসনৰ জৰিয়তে সম্প্ৰদায়সমূহে এই অনুষ্ঠানবোৰক অৰ্থপূৰ্ণভাৱে শক্তিশালী কৰিব পাৰে। **NEP 2020-ৰ “সকলোৰে বাবে মানসম্পন্ন শিক্ষা”ৰ দৃষ্টিভংগীক** আগলৈ নিয়াৰ লগতে SMC-ৰ জৰিয়তে সম্প্ৰদায়-চালিত মালিকীস্বত্ব গঢ়ি তুলি ভাৰতে ইয়াৰ বিদ্যালয়সমূহক **অন্তৰ্ভুক্তিমূলক, গতিশীল আৰু ৰাষ্ট্ৰ নিৰ্মাণকাৰী শিক্ষাৰ কেন্দ্ৰলৈ** ৰূপান্তৰিত কৰিব পাৰে।

ধাৰা-3-ত উল্লেখ থকা স্কুল পৰিচালনা সমিতিৰ (SMC) ভূমিকা আৰু দায়িত্বসমূহৰ উপৰিও, SMC-য়ে তলত দিয়া কাৰ্যকলাপসমূহ সম্পাদন বা নিৰীক্ষণ কৰিব পাৰে:

- ◆ এক পৰিষ্কাৰ, সুৰক্ষিত, নান্দনিকভাৱে পুষ্টিকৰ আৰু নৈতিক পৰিৱেশ প্ৰদান কৰা
- ◆ সমবেত প্ৰাৰ্থনাৰ দৰে দৈনন্দিন কাৰ্যসূচীসমূহ পালন কৰা হয়
- ◆ প্ৰতিকাৰমূলক পাঠদানৰ দৰে ব্যৱস্থা আৰু সুবিধাবঞ্চিত শিক্ষাৰ্থীৰ বাবে অধ্যয়নৰ স্থান নিশ্চিত কৰা
- ◆ শিক্ষাদানত প্ৰাসংগিক উদ্ভাৱনক (অঞ্চল ভিত্তিক) উৎসাহিত আৰু সহায় কৰা
- ◆ শিক্ষণ-শিকন সমলসমূহৰ উপলব্ধতাত সহায় কৰা
- ◆ ভাৰতীয় পৰম্পৰাৰ সৈতে জড়িত প্ৰদৰ্শনী আৰু কাৰ্যকলাপসমূহক উৎসাহিত কৰা
- ◆ পৰিষ্কাৰ-পৰিচ্ছন্নতা, অন্তৰ্ভুক্তি, সন্মান, অনুশাসন, সহমৰ্মিতা আদিমূল্যবোধসমূহ যাতে দৈনন্দিন কাৰ্যসূচীৰ জৰিয়তে প্ৰতিফলিত হয় সেয়া নিশ্চিত কৰা
- ◆ নিয়মিত অভিভাৱক-শিক্ষক-সমিতিৰ মত বিনিময় আয়োজনত সহায় কৰা
- ◆ শিক্ষকৰ বৃত্তিমূলক মৰ্যাদা সুৰক্ষিত কৰা
- ◆ সামাজিক সহযোগিতাৰ জৰিয়তে শিক্ষকসকলক সহায় কৰা
- ◆ প্ৰথম প্ৰজন্মৰ শিক্ষাৰ্থীসকলৰ অন্তৰ্ভুক্তিক সমৰ্থন কৰা
- ◆ লিংগ আৰু সামাজিক সমতা নিশ্চিত কৰা
- ◆ প্ৰতিটো শিশুৰ আৱেগিক সুৰক্ষা আৰু মৰ্যাদা নিশ্চিত কৰা

বিদ্যালয় উন্নয়ন আঁচনিৰ বিতং নিৰ্দেশনামূলক নীতিসমূহ:

বিদ্যালয়খনক এক অন্তৰ্ভুক্তিমূলক তথা শৈক্ষিকভাৱে সমৃদ্ধ, দিব্ঘস্থায়ী জৈৱ-তন্ত্ৰ হিচাপে কল্পনা কৰা হৈছে, যি বিপদৰ পৰা সুৰক্ষিত আৰু নিৰাপদ, সেউজ গৃহ নিৰ্মাণৰ নীতিসমূহৰ অন্তৰ্ভুক্তিকাৰী আৰু সাংস্কৃতিক তথা পৰিৱেশগতভাৱে বহনক্ষম পদ্ধতিৰ জৰিয়তে সম্পদৰ সৰ্ব্বোত্তম ব্যৱহাৰ নিশ্চিত কৰে। বিদ্যালয় উন্নয়ন পৰিকল্পনাৰ নিৰ্দেশনামূলক নীতিসমূহ হ'ল:

- ◆ শিক্ষা পৰিকল্পনাক অনুসৰণ কৰিব পৰাকৈ আন্তঃগাঁথনিৰ পৰিকল্পনা।
- ◆ শিশুৰ সামগ্ৰিক বিকাশক (শাৰীৰিক, সামাজিক, আৱেগিক আৰু জ্ঞানীয়) গুৰুত্ব দি শিশু-কেন্দ্ৰিক পৰিকল্পনা।
- ◆ সকলো শিশুৰ প্ৰয়োজন আৰু বিদ্যালয়লৈ তেওঁলোকে কঢ়িয়াই অনা বিচিত্ৰতাৰ প্ৰতি সঁহাৰিমূলক।
- ◆ বিদ্যালয়ৰ সমগ্ৰ চৌহদক (আভ্যন্তৰীণ আৰু বাহ্যিক) শিশু আৰু শিক্ষকৰ বাবে শিকনৰ এক নিৰন্তৰ মাধ্যম হিচাপে গণ্য কৰা, যাৰ বাবে পৰিকল্পনাৰ সময়ত সকলো অংশীদাৰে ইয়াক স্বীকৃতি দিয়া উচিত।
- ◆ BaLA-ৰ ধাৰণা ব্যৱহাৰ কৰি বিদ্যালয়ৰ সমগ্ৰ চৌহদক আনন্দদায়ক আৰু শিকন কাৰ্যকলাপৰ সমল হিচাপে গঢ়ি তোলা।
- ◆ সকলো শিশুৰ বাবে এক সুৰক্ষিত আৰু নিৰাপদ পৰিৱেশ। সকলো শিশুৰ বাবে এক নিকা আৰু স্বাস্থ্যসন্মত পৰিৱেশ।
- ◆ সমগ্ৰ বিদ্যালয়খনক কেৱল সেই বিদ্যালয়ৰ শিশু আৰু শিক্ষকৰ বাবেই নহয়, বৰঞ্চ সমাজ আৰু ওচৰ-চুবুৰীয়া বিদ্যালয়সমূহৰ বাবেও এক সম্পদ হিচাপে সৰ্ব্বাধিক ব্যৱহাৰ কৰা।
- ◆ স্থানীয় প্ৰেক্ষাপট আৰু পৰম্পৰাৰ প্ৰতি সন্মানীয় – জ্ঞান, সামাজিক প্ৰয়োজন, শৈক্ষিক প্ৰয়োজন, সংস্কৃতি, ভূ-তত্ত্ব, জলবায়ু, উদ্ভিদ আৰু প্ৰাণীজগত ইত্যাদি।
- ◆ সম্পদৰ সৰ্ব্বোত্তম ব্যৱহাৰ আৰু ব্যয় সাপেক্ষতা।
- ◆ পৰিৱেশগতভাৱে বহনক্ষম আৰ্হিত উন্নত পদ্ধতিসমূহক একত্ৰিত কৰা – যাতে সেইবোৰ প্ৰদৰ্শন আৰু অনুশীলন কৰিব পৰা যায়।
- ◆ বিদ্যালয় চৌহদৰ সামগ্ৰিক উন্নয়নৰ বাবে ব্যৱহাৰকাৰী-অনুকূল নতুন প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰা।
- ◆ সামগ্ৰিক পৰিকল্পনাটো সংশ্লিষ্ট অঞ্চলটোৰ জনসংখ্যাৰ ধাৰাৰ সৈতে সংগতিপূৰ্ণ হোৱা উচিত।
- ◆ ভৱিষ্যতৰ সম্প্ৰসাৰণৰ থল।

বিদ্যালয়ৰ পৰিকল্পনা, আৰ্হি আৰু নিৰ্মাণৰ ক্ষেত্ৰত পৰিৱেশ, স্বাস্থ্য আৰু সুৰক্ষা পদ্ধতিসমূহ শক্তিশালী কৰাৰ ব্যৱস্থাসমূহ যাতে তলত দিয়া নিৰ্দেশনা অনুসৰি অন্তৰ্ভুক্ত কৰা হয় তাক নিশ্চিত কৰিব লাগে: (i) শিক্ষা মন্ত্ৰালয়ৰ বিদ্যালয় সুৰক্ষা আৰু নিৰাপত্তা সম্পৰ্কীয় নিৰ্দেশনাৱলী, 2021, (ii) ৰাষ্ট্ৰীয় দুৰ্যোগ ব্যৱস্থাপনা কৰ্তৃপক্ষ (এন ডি এম এ)ৰ দ্বাৰা প্ৰ জাৰি কৰা ৰাষ্ট্ৰীয় দুৰ্যোগ ব্যৱস্থাপনা নিৰ্দেশনাৱলী বিদ্যালয় সুৰক্ষা নীতি, 2016 আৰু (iii) সময়ে সময়ে বিধিবদ্ধ কৰ্তৃপক্ষৰ দ্বাৰা জাৰি কৰা ৰাজ্যিক আৰু স্থানীয় উপ-আইন।

বিদ্যালয়/সমিতি পৰ্যায়ত ক্ৰয় কৰিবলগীয়া নিৰ্দেশক সামগ্ৰীৰ তালিকা:

- ◆ পোছাক
- ◆ বিদ্যালয় আৰু সংলগ্ন ছাত্ৰাবাস ভৱনৰ সকলো নিৰ্মাণ কাৰ্য।
- ◆ আচবাব।
- ◆ শিক্ষণ-শিকন সামগ্ৰী (টি এল এম) আৰু পাঠ্যপুথি।
- ◆ বিদ্যালয় অনুদানৰ পৰা বিদ্যালয়ৰ সঁজুলি আৰু বিদ্যালয়ৰ উন্নতিৰ বাবে অন্যান্য সামগ্ৰী।
- ◆ ৰক্ষণাবেক্ষণ অনুদানৰ পৰা বিদ্যালয়ৰ ভৱনৰ ৰক্ষণাবেক্ষণ।
- ◆ মেৰামতি অনুদানৰ পৰা বিদ্যালয়ৰ ভৱনৰ মেৰামতি।
- ◆ শিকন সংবৰ্ধন কাৰ্যসূচী (এল ই পি)-ৰ অধীনত প্ৰয়োজনীয় অতিৰিক্ত শিক্ষণ-শিকন সামগ্ৰী আৰু অন্যান্য সামগ্ৰী
- ◆ পৰীক্ষাগাৰৰ সঁজুলি।

